दैनिक

प्रातः कालीन

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें:9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 74 मुरादाबाद, 03 July 2023 (Monday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

गृहमंत्री अमित शाह का एलान, यूपी में भाजपा, अपना दल और निषाद पार्टी मिलकर लड़ेंगे लोकसभा चुनाव

अपना दल के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती पर रविवार को राजधानी के इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई दिग्गज शामिल हुए । कार्यक्रम की अध्यक्षता खुद केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने की। इस कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल की अगुवाई वाले अपना दल (एस) ने किया है।कार्यक्रम में अपने संबोधन में गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा, अपना दल और निषाद पार्टी मिलकर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने लोगों से 300 से भी ज्यादा सीटें एनडीए गठबंधन को जिताने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि सपा बसपा और कांग्रेस की सरकारों ने पिछड़े वर्ग को उनका हक नहीं दिया। मोदी सरकार ने 9 साल में पिछड़े वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। खास बात यह है कि सोनेलाल की जयंती तो हर साल मनाई जाती थी और उसमें सिर्फ पार्टी के नेता ही शामिल होते थे पर लोकसभा चुनाव से पहले आयोजित हुए इस समारोह में जिस प्रकार से भाजपा के साथ ही एनडीए गठबंधन में शामिल नेताओं को बुलाया गया, उससे साफ है कि एक ओर जहां एनडीए में अपना दल (एस) अपनी मजबूत पकड़ का संदेश देना चाहता है, वहीं एनडीए के मुखिया के तौर पर भाजपा के नेता भी गठबंधन के मजबूत एकता की नुमाइश करना चाहते हैं। अगले साल होने वाले चुनाव में प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों को जीतने के संकल्प लेने वाली भाजपा के नेताओं की समारोह में उपस्थिति को सियासी तौर पर भी अहम माना जा रहा है । उधर भाजपा के बड़े नेताओं के जमावड़ा को देखते हुए अपना दल (एस) भी शनिवार को बारिश के बावजूद कार्यक्रम की तैयारियों में जुटा रहा । इस बार वृहद तौर पर समारोह के आयोजन को देखते हुए इंदिरागांधी प्रतिष्ठान के किसी हॉल के बजाय परिसर के मैदान में बड़ा मंच सजाया गया । शनिवार को देर रात तक पार्टी के कार्यकर्ताओं ने समारोह से संबंधित तैयारियों को अंतिम रूप दिया । पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष आशीष पटेल खुद कार्यक्रम स्थल पर पूरे दिन मौजूद रहकर तैयारियों पर नजर रखे हुए हैं । कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य बृजेश पाठक भी समारोह में मौजूद रहे।

'महाराष्ट्र में अब ट्रिपल इंजन सरकार', CM शिंदे बोले- अजित पवार के अनुभव से सुदृढ़ होगा प्रदेश

विधानसभा में नेता विपक्ष की भूमिका अदा करने वाले अजित पवार ने रविवार को सभी को चौंकाते हुए महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार को अपना समर्थन दे दिया और फिर सरकार में उन्हें उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई। इस बीच मुख्यमंत्री शिंदे का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि अब महाराष्ट्र में ट्रिपल इंजन की सरकार है। महाराष्ट्र में रविवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। शनिवार तक खामोश पड़ी सियासी सरगर्मियां रविवार की सुबह अचानक तेज हो गईं और फिर देखते ही देखते डबल इंजन सरकार में एक और इंजन शामिल हो गया। इसी के साथ ही महाराष्ट्र में अब ट्रिपल इंजन की सरकार उभरकर सामने आईं। जिसमें भारतीय जनता पार्टी (BJP) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के दिग्गज उपमुख्यमंत्री पद संभाल रहे हैं। क्या कुछ बोले ष्ठरूशिंदे?-विधानसभा में नेता विपक्ष की भूमिका अदा करने वाले अजित पवार ने रविवार को सभी को चौंकाते हुए महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार को अपना समर्थन दे दिया और फिर सरकार में उन्हें उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई। हालांकि, एनसीपी में बड़ी फूट पड़ने के बाद राजभवन में दिग्गजों का जमावड़ा देखने को मिला। इस बीच, मुख्यमंत्री शिंदे का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि अब महाराष्ट्र में ट्रिपल इंजन की सरकार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार चल रही थी, उसे अब ट्रिपल इंजन कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अब हमारे पास एक मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्री हैं। डबल इंजन सरकार अब ट्रिपल इंजन बन गई है। महाराष्ट्र के विकास के लिए मैं अजित पवार और उनके नेताओं का स्वागत करता हूं। अजित पवार का अनुभव प्रदेश को सुदृढ़ करने में मदद करेगा।

NCP के 9 विधायक बने मंत्री

एनसीपी के कुल नौ विधायकों ने मंत्रिपद की शपथ ली। इन विधायकों में अजित पवार, छगन भुजबल, दिलीप पाटिल, हसन मुश्रीफ, धनंजय मुंडे, धर्माराव, अदिति तटकरे, संजय बनसोडे और अनिल पाटिल शामिल हैं।

मायावती ने कहा- हम समान नागरिक संहिता लागू करने के खिलाफ नहीं, पर इसे जबरन न थोपे सरकार

मायावती ने कहा कि बसपा समान नागरिक संहिता लागू करने के खिलाफ नहीं है पर इसे जबरन नहीं थोपा जाना चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर एएनआई और पीटीआई को बयान दिया है।बसपा सुप्रीमो मायावती ने देश में समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी यूनिफॉर्म सिविल कोड को लागू करने के खिलाफ नहीं है पर देश की विविधता को देखते हुए इसे जबरन थोपे जाने के पक्ष में नहीं है। इसमें आपसी सहमति का रास्ता अपनाया जाना चाहिए और इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए।मायावती ने कहा कि भारत की विशाल आबादी में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध और पारसी सहित विभिन्न धर्मों के मानने वाले लोग रहते हैं, जिनके अलग-अलग रस्म और रिवाज हैं, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। अगर देश में सभी के लिए एक जैसा कानून लागू होगा तो इससे देश कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत होगा और आपसी सौहार्द बढ़ेगा इसीलिए संविधान में समान नागरिक संहिता का जिक्र किया गया है, लेकिन उसे जबरन थोपने का प्रावधान संविधान में निहित नहीं है। इसके लिए जागरूकता व आम सहमति का रास्ता अपनाया जाना चाहिए। मायावती ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि समान नागरिक संहिता की आड़ में संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति करना सही नहीं है जो इस समय की जा रही है। बसपा यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के खिलाफ नहीं है, बल्कि जिस तरह से भाजपा इसे लागू करना चाहती है उससे हम सहमत नहीं हैं।

यूनिफॉर्म सिविल कोड का समर्थन करेगी सुभासपा, बैठक में नेताओं ने कहा- सबसे लिए एक कानून जरूरी

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी यूनिफॉर्म सिविल कोड का समर्थन करेगी। लखनऊ में आयोजित बैठक में पार्टी नेताओं ने कहा कि देश में सबके लिए एक कानून जरूरी है।भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की चर्चाओं के बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) का समर्थन करने का संकेत दिया है। राजधानी में आयोजित पार्टी की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में सुभासपा नेताओं ने कहा कि जो कानून देश हित में होगा, सुभासपा उसका समर्थन करेगी। पार्टी के प्रमुख महासचिव अरविंद राजभर ने कहा कि यूसीसी सभी धर्मों के लिए एक समान कानून की बात करता है। यूसीसी एक समान नागरिक संहिता को सुनिश्चित करेगा। इसलिए सुभासपा इसका समर्थन करेगी।विंद्रालय में आयोजित बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में सुभासपा की भूमिका निर्णायक होगी। प्रदेश की 30 लोकसभा सीटों पर अपना प्रभाव रखने वाली सुभासपा के सहयोग के बिना कोई भी दल केंद्र में सरकार नहीं बना पाएगा। इसलिए सभी कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर पार्टी की रीति व नीति को लेकर जनता के बीच जाएं।इस मौके पर राजभर ने सपा व बसपा का नाम लिए बिना विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये दल जब सरकार में रहते हैं तो इन्हें पिछड़ों-दलितों की याद नहीं आती है। सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट लागू करने की चिंता नहीं रहती। जब ये सत्ता से बाहर रहते तो इनकों बहुत चिंता होती है। उन्होंने कहा कि सुभासपा ही एक ऐसी पार्टी है, जो सत्ता में रहने के बाद भी जातीय जनगणना और सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट लागू करने की बात करती रही है।

सुपर जोइनिंग वीक

उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़,पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live

आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से

रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की

12 पेज का फुल अखबार

एक बार कॉल अवश्य करें

9027776991

प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

NCP से भतीजे अजित की बगावत के बाद शरद पवार बोले- मैं फिर पार्टी खड़ी करके दिखाऊंगा

अजित पवार अपने 40 समर्थक विधायकों के साथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए हैं। अजित पवार ने एक बार फिर पार्टी से बगावत करते हुए डिप्टी सीएम की शपथ ले ली है। मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। एनसीपी के बड़े नेता अजित पवार अपने 40 समर्थक विधायकों के साथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए हैं। अजित पवार ने एक बार फिर पार्टी से बगावत करते हुए डिप्टी सीएम की शपथ ले ली है। अजित के साथ नौ मंत्रियों ने शिंदे सरकार में शपथ ली है। इन मंत्रियों में छगन भुजबल के साथ कई अन्य बड़े नेता भी हैं। इस शपथ ग्रहण समारोह में सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेन्द्र फडणवीस भी शामिल रहे।एनसीपी प्रमुख ने कहा कि मैंने 6 जुलाई को सभी नेताओं की एक बैठक बुलाई थी, जहां कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी थी और पार्टी के भीतर कुछ बदलाव किए जाने थे। ऐसा कुछ हो पाता उससे पहले ही कुछ नेताओं ने अलग रुख अपनाया है।ह्यष्ठक्रप्रमुख शरद पवार ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य लोगों ने मुझे फोन किया है। मुझे बहुत से लोगों के लगातार फोन आ रहे हैं। पवार ने कहा कि आज जो कुछ भी हुआ मुझे उसकी चिंता नहीं है। कल, मैं वाईबी चव्हाण (महाराष्ट्र के पूर्व सीएम) का आशीर्वाद लूंगा और एक सार्वजनिक बैठक करूंगा।महाराष्ट्र में ह्यष्ठक्रनेता अजित पवार महाराष्ट्र के दूसरे उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा समय-समय पर प्रयोग करती रहती है और इसके लिए प्रयोगशाला बनाई गई हैं। पहले मध्य प्रदेश था फिर महाराष्ट्र और यह पूरा देश देख रहा है।

संपादकीय Editorial

Unconstitutional decision of the governor

For the first time constitutional limits have been crossed that Tamil Nadu Governor RN Ravi has sacked the alleged corrupt minister V. Senthil Balaji without consulting Chief Minister Stalin. The minister, tainted with serious allegations of corruption, is in judicial custody. The minister was arrested after the Enforcement Directorate probe, but instead of jail, he is in a private hospital. It is being said that his heart has been operated. Allegations of corruption, notes for jobs, money laundering and other scams were found to be serious in the facts of the inquiry placed before the Governor. The minister can influence the process of investigation, evidence and judicial action, so the governor withdraws his 'prasad', 'prasannata' and 'kripa' (pleasure) and dismisses the minister. Of course, Article 164 of the Constitution mentions that a minister can hold office only during the 'pleasure' of the Governor. The governor took the same constitutional spirit literally and decided to sack the minister. The Supreme Court and the High Court have clarified the role of the Governor and his constitutional powers by interpreting the relevant articles of the Constitution many times. In fact, the governor himself can neither make anyone a minister and sacking him is absolutely 'unconstitutional'. He can work only on the 'advice' and 'recommendation' of the Chief Minister and the cabinet. It is also mentioned in Article 164. The Constitution has not given any executive power to the Governor. Although there are many such examples in republican and independent India, when the Governor had dismissed the Chief Minister, but in the SR Bommai case of 1994 and the Shivraj Singh Chouhan case of 2020, the historical establishment of the Supreme Court came to the fore that majority decided in the House itself. Will go On the basis of that, the stability of the Chief Minister and the government will be decided. The Governor cannot dismiss the Chief Minister or the Minister on his own grounds. However, after these judicial decisions, this grossly unconstitutional tradition came to an end. Now the Governor of Tamil Nadu has sacked the minister playing with the constitution and its language. However late on Thursday night, 'Raj Bhavan' wrote a letter to Chief Minister Stalin informing that on the request of Union Home Minister Amit Shah, the advice of the Advocate General and other constitutional experts would be taken, so the decision has been put on hold for the time being. What a joke! The Governor has once taken an unconstitutional, cruel and unprecedented decision. Now whether he stops it or the court rejects it, the question is how can a person occupying a constitutional post like Governor take decisions under 'bias'? In Tamil Nadu, Governor Ravi and Chief Minister Stalin have had a strained relationship for a long time, as the governor has been deliberately sitting on bills passed by the assembly. Governor-Chief Minister relations are also extremely strained in states like Telangana, West Bengal, Kerala, Punjab etc. Such relations question the Centre-State relations and the federal structure of the country. Everyone knows that the Governor is the representative of the Government of India and there can be an opposition party government in the state. The states that we have mentioned here have governments of opposition parties which are basically anti-BJP. In such a situation, if work is done in the spirit of hatred, then it will not be in the interest of the country. It will not be conducive to the dignity and prestige of the Constitution and the common citizen will not get easy justice. The tainted minister is in the dock of the law. If the Chief Minister wants to keep him as a minister without portfolio, then it is the prerogative.

Kasauti: A Democrat's Desire to Judge the Head of Government and the Prospects of Future Historians

Future historians will probably record that PV Narasimha Rao, Atal Bihari Vajpayee and Manmohan Singh were better prime ministers than Indira Gandhi, Rajiv Gandhi and Narendra Modi. Not necessarily because he was more learned than the latter three. I wrote an article for a Delhi magazine a few months before the 2009 general elections, in which I listed four things that I hoped could reinvigorate the democratic process in India. First, I wanted a Congress which was not entirely indebted to dynasty. Second, I wanted a BJP that would disassociate itself from the RSS and its idea of a Hindu Rashtra. Third, I wished for a unified and reform-oriented Left, completely free of violence, as well as giving up its idea of state control over the economy. And lastly, I wished to form a new party that was based on the aspirations of an expanding middle class, open to all irrespective of caste or religion, and pursue policies that would similarly favor any particular group. Do not be sect or ethnic group oriented. Fifteen years and three general elections later, it is humbly an attempt to see how far this wish list is from reality. The Congress finally has a non-Gandhi president, but the family still has strong family control over the party. In fact, soon after becoming the Congress President, Mallikarjun Kharge joined the Bharat Jodo Yatra and said that Rahul Gandhi could be the next Prime Minister of India. The visit prompted the creation of the handle 'Rahul for PM' in social media; It gained further momentum after the victory of the Congress in the Karnataka assembly elections. Of course, there has been some strange dissent in party circles and sometimes an alternative Congress candidate for prime ministership has been put forward and that is Rahul's sister, Priyanka Gandhi. As far as the Bharatiya Janata Party is concerned, Far from distancing itself from the RSS and Hindutva, it has come under its grip more and more firmly. The fact that there is not a single Muslim among its more than 300 MPs in the Lok Sabha speaks volumes about its overarching philosophy towards minorities in general and Muslims in particular, which is to treat them as equal citizens of this land. does not. The rewriting of textbooks and the creation of new educational curricula are other manifestations of the ruling party's majoritarian mindset. During the NDA-I regime between 1998 and 2004, the policies and programs of the government were not immune to Hindutva influence. While these effects were relatively minor, since the NDA came to power at the Center for the second time in 2014, they have become more pronounced. With the growing influence of Hindutva ideology, the BJP has increasingly become hostage to a personality cult. In the past the party had explicitly shunned 'persona worship' to differentiate itself from Indira Gandhi's Congress. However, that restraint has now been abandoned and MPs and cabinet ministers are competing with each other in sycophant praise of Prime Minister Narendra Modi. This fusion of religious majoritarianism and personality cult at the inauguration ceremony of the new Parliament building It was clearly visible in a symbolic form. In this, where the President and the Vice President were absent, the celebrations were coordinated in such a way that even the cabinet ministers were hardly visible. It was intended to showcase a single individual, with obliging priests providing the occasion with a Hindutva platform. Members of his party and the extended Sangh Parivar elevated the Prime Minister to the status of a Hindu emperor. Now let's talk about the Left. This element of Indian politics also did not improve itself as this writer had expected. Instead of coming forward and embracing multi-party democracy, the Naxalites are continuing their rampant acts of violence in the districts under their influence. As far as the parliamentary Left is concerned, in the one state they are in power, Kerala, they have made no significant change in their approach to governance. High HDI should be a magnet for private investment from outside; However, this is not the case here, as the CPI(M) still supports a government-controlled approach to the economy. Fourth on my wish list fifteen years ago was the creation of a new party. With the advent of the Aam Aadmi Party on the Indian political stage in 2012, this wish was fulfilled in principle. However, you did not bring any major change in practical terms. While it has a good record in providing public education and healthcare in Delhi, it also has negatives on its balance sheet, such as the creation of a cult around Arvind Kejriwal and the party's refusal to stand up for the oppressed minorities. Now not even a year is left for the next general election. I'd like to offer another wish list, which will be smaller than last time. I want that no single party should get majority in the Lok Sabha; In fact the largest party should be substantially behind the majority. Our current Prime Minister is authoritarian in nature, a sinister aspect of his personality reinforced by the two consecutive majorities his party has won in general elections. Indira Gandhi before Modi was encouraged to display his authoritarian tendencies in 1971 when his party won an overwhelming majority. Between the tenures of Modi and Indira, the electorate, in their wisdom or lack thereof, gave the Congress party under Rajiv Gandhi over 400 seats in the 1984 elections, with unfortunate consequences for politics and governance. India is such a large and diverse country that it cannot be run in any other way than through cooperation and consultation. However, the vast majority in the Parliament fosters arrogance and hubris in the ruling party. A prime minister with such a majority misbehaves with his cabinet colleagues, disrespects the opposition, subjugates the press, undermines the autonomy of institutions, and ignores the rights and interests of the states , especially when there is a government of a party other than the one headed by the Prime Minister. Future historians will probably record that PV Narasimha Rao, Atal Bihari Vajpayee and Manmohan Singh were better prime ministers than Indira Gandhi, Rajiv Gandhi and Narendra Modi. Not necessarily because he was more learned than the latter three. In fact, the circumstances in which Rao, Vajpayee and Singh took office saw them giving more autonomy to cabinet ministers, listening to coalition partners (who represented different groups, religions and interests), actively consulting the opposition, not to curb the free press, not to put pressure on the judiciary, not to unnecessarily interfere with the autonomy of public institutions and to respect the rights and interests of the states. When these coalition governments were in power, economic growth, federalism, minority rights, and free institutions all benefited from the absence of a dominant party with an influential prime minister. If Narendra Modi and the BJP get a third consecutive majority in the 2024 general elections, it will likely be detrimental to democracy, pluralism and federalism in India. The opposition will be ignored more, elements of the free press will be suppressed more, minorities will be made to feel more insecure, states will be made to bow even more to the Centre. Such a situation would probably be harmful to the economy as well. (No prime minister in a coalition government would be arrogant enough to impose a disastrous experiment like demonetisation.) It is my only wish that no party gets more than 250 seats in the next general election, ideally 200 seats. Meet If this happens, India will be governed without any one party, if not more intelligently, then certainly less arrogantly.

Aaina: Nomadic castes are scared of smart cities, whom to wish for freedom from curse

These nomadic lives do not stay in one place. These are the most neglected and outcast people, who are forced to lead a very unstable life. His family's name doesn't figure in any voter list, earning bread by labor. The city is progressing. He is getting smart everyday. Space is being cleared for the new flyover. Thatched roofs, tents and huts are being removed. The uprooting of the tents of the nomads has started. Many houses and families living on the footpath are being cursed by the city and they are cursed to live under the open sky. There is a shadow of strong sunlight on their heads. There is no flag of any political party on these desolated tents on the side of the road. At the time of elections, no candidate comes to him to ask for votes. As soon as the evening sets, there is a smell of baking roti amidst the flickering lights of lamps. Different tone of words and dissonant voices of shouting and scolding. One or two light iron cots and a two-wheeled buffalo cart stand near the makeshift stove made of bricks, in which their entire household is accommodated. Their places of stay are plastered with mud and very clean. On one side, they heat iron in coal-burning furnaces to make household articles, which are shaped by the men with their skill and the women help in making and molding them by moving the cube. There is a celebration of labor here. In the midst of this difficult work, the upbringing of their children is not interrupted. Look, here an innocent child hanging in a sheet tied under the bullock cart is sleeping soundly. These are nomadic lives, which do not stay at one place. It is their nature to live in one place and then go to other unknown places and encamp.

These are the most marginalized and outcasts of the city, who are forced to lead a very unstable life. His family's name doesn't figure in any voter list, earning bread by labor. Moving on a two-wheeled buffalo cart (or sometimes a camel cart), they complete the days of their life like this. A number of bellows for burning coal and a heavy cube of iron are the tools of his life. They work hard every day to make things that work for us. Women are also here in their special costumes, in which brightly colored lehenga, choli and chunri with lots of encircled chintz and special bracelets in their hands. They do hard labor with their strong arms. Still, our perception towards these marginalized people is not good. Our society and governments consider them as born criminals. It is assumed that the profession of nomadic castes is to commit crime, while no one is a criminal by birth. This is absolutely unnatural and anti-social decision of our society and government. Once upon a time, the British government had decided that if a person of any caste committed a crime, then his children would also be considered guilty. These groups, considered habitual criminals, were eventually declared free in independent India. But a few years back, the sword of a born criminal was again hung over his head. Such orders were sent to the administration that these marginalized people should be treated as criminals, their camps should be monitored and the lawyers who represent their criminal cases should also be listed. About two decades ago, the country in Gandhinagar A convention was called of these non-notified and nomadic castes from across the country. Just before this, an all India organization 'The Notified and Nomadic Tribes Right Action Group' was also formed. This group should know about this action of the governments, due to which the methods of human rights abuses with these nomadic tribes are still going on. This is a shameful situation for any independent and developing country, in which change is necessary. The National Human Rights Commission also does not appear to be very alert in this matter. It is a matter of stigma for a civilized society that some of its residents die living an animal life while living on the roadside with their families. Don't we have any obligation to make these people a responsible citizen and human being? It should be surveyed that what are the sufferings and needs of these tribal nomads. Why are they cursed to breathe in the category of born criminals for many decades? Why is there no share of these wandering lives in this earth? This is a big question, which cannot be avoided for long. Is it not that due to our (indecent) mentality, we have refused to accept these nomads as human beings!

दहेज का दंश...महिला ने पति, सास-ससुर समेत चार के खिलाफ लिखाया मुकदमा

विवाह के तीन महीने में टूट गए रिश्ते, बहू को मारपीट कर सास-ससुर ने घर से निकाला

मुरादाबाद- लाइनपार पुतलीघर रोड मझोला की उपासना कुमारी ने पति मुदित, ससुर उमेश कुमार, सास लज्जावती, देवर उदित कुमार के विरुद्ध महिला थाने में मुकदमा लिखाया है। पुलिस को उसने बताया कि उसका विवाह 26 जनवरी 2023 को ही उमेश के बेटे मुदित से हुआ था। उसकी ससुराल अमरोहा जिले में थाना डिडौली गांव सरकड़ी अजीज में हैं। ससुराल वाले वर्तमान में नोएडा सेक्टर-62 के बी-ब्लॉक के सृजन अपार्टमेंट फ्लैट नंबर-32 सी में रहते हैं। उपासना ने पुलिस को बताया कि उसके पिता भोपाल सिंह ने विवाह में 10 लाख रुपये नकद, वेन्यू कार, कपड़े व जेवरात दिए थे। बारात के स्वागत आदि में 30 लाख रुपये खर्च किए थे। लेकिन, ससुराल वाले दान-दहेज से खुश नहीं थे। सास लज्जावती, ससुर उमेश कुमार कहते थे कि उनका बेटा मुदित सरकारी नौकरी में बड़े पद पर है, उस हिसाब में तुम्हारे पिता ने विवाह में दहेज नहीं दिया है। यही बात देवर उदित कुमार भी दोहराता था। पीड़िता का आरोप है कि ससुराल वाले शारीरिक मानसिक उत्पीड़न कर उससे अतिरिक्त 10 लाख रुपये की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर ससुराल के लोग उसके साथ मारपीट करते थे।

देवर से संबंध बनाने का दबाव बना है ससुर

पीड़िता ने पुलिस को बताया है कि विवाह के बाद पति मुदित व उससे कभी पति-पत्नी के रिश्ते नहीं निभाए। ससुर उमेश कुमार बेटे मुदित को जन्म से नपुंसक कहते हैं। ससुर देवर उदित से संबंध बनाने को कहते थे। उदित उससे अश्लील हरकतें करता था और जबरन संबंध बनाने का प्रयास करता था। विरोध करने पर महिला को मारते-पीटते थे। ससुराल के वर्ताव को किसी से न बताने का भी दबाव बनाते थे। देवर से संबंध न बनाने और महिला के विरोध करने पर ससुराल वालों ने उसे 23 अप्रैल को भी मारा पीटा और वह जो कपड़े पहने थी, उसी पहनावे में उसे घर से बेदखल कर दिया। ससुराल की प्रताड़ना से रोती-बिखलती बेटी घर पहुंची और मां-पिता का हाल बताया।

देवर ने चाकू से किया जानलेवा हमला

बिटिया की व्यथा सुनकर पिता भोपाल सिंह बीमार पड़ गए और इलाज के लिए उन्हें गंगाराम अस्पताल दिल्ली में भर्ती कराना पड़ा। पिता के स्वस्थ होने पर ससुराल वालों को 28 मई के दिन बातचीत करने के लिए मुरादाबाद स्थित घर बुलाया गया, जहां बातचीत के दौरान बिटिया के ससुराल वाले आगबबूला होकर मायके में ही ससुराल वालों ने लात-घूसों से मारा। देवर उदित ने जान से मारने की नियत से महिला पर चाकू से हमला बोल दिया। महिला के पिता के शोर मचाने पर मुहल्ले के लोग आ गए। घटना की खबर मझोला थाने में दी गई, लेकिन पुलिस ने मुकदमा नहीं लिखा। उपासना कुमारी के मामले में उसके पति मुदित, ससुर उमेश कुमार, सास लज्जावती, देवर उदित कुमार के विरुद्ध मुकदमा लिखा है। इस मामले में अभी किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। पूरे मामले की विवेचना शुरू की गई है। विवेचना में जो तथ्य सामने आएंगे, उस आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।- दीपा त्यागी, थानाध्यक्ष-महिला थाना

विशेषज्ञों की सलाह से विकसित होगा साबरमती जैसा रिवरफ्रंट

एमडीए की नई टाउनशिप में किसानों को मिलेगा उनकी जमीन का चार गुना दाम, किसान होंगे समृद्ध

मुरादाबाद- मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की महत्वाकांक्षी योजना से किसानों का अहित नहीं भला होगा। गुजरात के विशेषज्ञों की सलाह से महानगर में साबरमती जैसा रिवरफ्रंट विकसित होगा। एमडीए की नई टाउनशिप में किसानों को उनकी जमीन का चार गुना दाम मिलेगा। नोएडा/ ग्रेटर नोएडा की तर्ज़ पर किसान समृद्ध होंगे। 1250 हेक्टेअर में विकसित होने वाले नये टाउनशिप को लेकर किसानों के भ्रम को प्राधिकरण के अधिकारी निराधार बताकर इसके विकास के फायदे गिना रहे हैं। उनका कहना है कि इस नये टाउनशिप से किसानों को अपनी जमीन का चार गुना दाम मिलेगा। वहीं गुजरात के विशेषज्ञों की सलाह से महानगर का कायाकल्प कर साबरमती जैसा रिवरफ्रंट बनेगा। जिससे पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। जिसका सीधा फायदा स्थानीय कामकारों, किसानों को

मिलेगा। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शैलेष कुमार ने बताया कि प्राधिकरण की कॉलोनियों के विकसित होने से जन सामान्य को फायदा होगा। यहां रोजगार विकसित होने पर लोगों को दिल्ली, मुंबई नहीं जाना पड़ेगा। नया शहर विकसित होने से मुरादाबाद एक बड़े हब के रूप में उभर सकता है। चिकित्सा, शिक्षा, उद्योग और व्यावसायिक क्षेत्र में उन्नति का सीधा लाभ ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को भ्रमित करने का कार्य कुछ कॉलोनाइजर्स द्वारा करने की जानकारी मिल रही है। ऐसे प्रॉपर्टी डीलरों और भूमाफिया के खिलाफ एमडीए बहुत जल्द कार्रवाई करेगा। अवैध कॉलोनाइजर्स किसानों को भ्रमित कर अपना हित साधना चाहते हैं इसमें सफलता नहीं मिलेगी। उपाध्यक्ष ने भूस्वामियों की शंका का समाधान करते हुए कहा कि हर स्थिति में सभी हितग्राहियों की रक्षा होगी। आपसी सहमति से ही किसानों की भूमि ली जाएगी।

गुजरात के सीईपीटी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ करेंगे प्लानिंग

उन्होंने बताया कि आधुनिक शहर के विकास की योजना को गुजरात के प्रसिद्ध थिंकटैंक सीईपीटी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों द्वारा साकार किया जाएगा। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण, नये शहर विकास योजना तथा भारत सरकार की इंक्यूबेशन सिटी योजनाओं से भी इसे जोड़ा जाएगा। जिससे पीतलनगरी राष्ट्रीय महत्त्व के शहरों में शामिल होगा।

यह भी होंगी सुविधाएं

नये टाउनशिप में शिक्षकपुरम, चिकित्सापुरम, पत्रकार पुरम, अधिवक्ता पुरम, अन्नदातापुरम, विधायक पुरम, शिल्पकार पुरम, मेडीसिटी, एजुकेशन सिटी, स्पोर्ट्स सिटी आदि विकसित होंगे। इसे जल्द साकार किया जाएगा। पांच चरणों में योजना के लिए भूमि क्रय किया जाएगा। यह अधिकतम पांच वर्ष में विकसित होगा।

बरेली हाई-वे पर 2035 तक होगी टोल वसूली, 7000 'पास'

छूट वाला पास प्रयोग करने वालों को हर महीने टोल प्लाजा पर जमा करने होते हैं 330 रुपये

मुरादाबाद- मुरादाबाद-रामपुर-बरेली हाई-वे पर 8 जून 2015 से दो केंद्रों पर टोल वसूली चल रही है। यहां 2035 तक हाई-वे से होकर गुजरने वाले वाहनों से टोल की वसूली की जाएगी। दलपतपुर टोल के आस-पास के गांव-कस्बे के 7,000 निवासियों को टोल प्लाजा प्रबंधन ने छूट वाले पास दे रखे हैं। पास पाए लोगों को हर महीने 330 रुपये शुल्क देना होता है। बरेली तक इस हाई-वे की कुल दूरी 121.8 किमी है। टोल प्लाजा प्रबंधक का दावा है कि वह हाई-वे के प्रत्येक दो किमी पर ईसीबी (इलेक्ट्रॉनिक कॉल बूथ) सेवा दे रहे हैं। टोल प्लाजा पर स्टैटिक वेट ब्रिज स्व चलित प्रणाली की सुविधा है। इस टोल प्लाजा से रोजाना औसतन 25-26 हजार वाहन गुजरते हैं। टोल प्रबंधक प्रबंधन का कहना है कि हाई-वे से 92 प्रतिशत वाहन फास्टैग वाले होते हैं। बिना फास्टैग वाले वाहनों से डबल टोल वसूला जाता है। फास्टैग वाले वाहनों में अधिकांश भारी वाहन होते हैं। जबकि टोल प्लाजा के 20 किमी की परिधि के आसपास रहने वालों को पास दिए गए हैं। टोल प्रबंधक का कहना है कि उनकी संस्था को हाई-वे पर टोल वसूली के लिए वर्ष 2010 में टेंडर मिला था। 2015 तक टोल आवंटन की अनुमति मिलने के बाद वाहनों से वसूली का काम शुरू किया गया था। नागरिक सुविधा के लिए हाईवे के प्रत्येक दो किमी के बीच में इलेक्ट्रॉनिक कॉल बूथ है। इस तरह मुरादाबाद से बरेली तक की 60 इलेक्ट्रॉनिक कॉल बूथ स्थापित हैं, जहां से कोई भी राहगीर मदद मांग सकता है।

किसी मदद के लिए उसे इलेक्ट्रॉनिक कॉल बूथ के बॉक्स में लगे बटन को दबाना होगा, फिर कर्मचारी समस्या पूछेगा और तत्काल मदद मिलेगी।

ओवरलोड वाले 670 ट्रकों का ई-चालान, 300 की फिर भेजी सूची

टोल प्रबंधन का दावा है कि दलपतपुर टोल प्लाजा पर गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों की जांच के लिए स्टैटिक वेट ब्रिज स्वचलित प्रणाली स्थापित है। इससे वाहन पर कितना लोड है, पता चल जाता है और उसके विरुद्ध कार्रवाई के लिए संबंधित वाहन की संख्या व अन्य विवरण संग सूची परिवहन विभाग को भेजी जाती है। जून महीने में टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहनों में से 300 से अधिक ओवरलोड वाहन चिह्नित किए गए हैं। इनके विरुद्ध ई-चालान की कार्रवाई के लिए सूची आरटीओ प्रवर्तन को भेजी जा रही है। इसी तरह दलपतपुर टोल प्रबंधन ने आरटीओ को मई में 322 ओवरलोड वाले वाहनों की सूची दी थी। इसमें आरटीओ प्रवर्तन ने 258 वाहनों के विरुद्ध ई-चालान की कार्रवाई की है। शेष 64 वाहनों में से 52 ट्रकों में मानक से कम लोड था और अन्य 12 वाहनों का पता नहीं चल पाया। अप्रैल महीने में आरटीओ को 474 ओवरलोड वाले वाहनों की सूची दी गई थी। इसमें आरटीओ प्रवर्तन ने 412 वाहनों के विरुद्ध ई-चालान की कार्रवाई की है। यानी अप्रैल-मई महीने में दलपतपुर टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहनों में से 670 वाहनों के विरुद्ध ओवरलोडिंग में ई-चालान भी हुए हैं। दलपतपुर टोल प्लाजा के इंतजाम-एंबुलेंस, क्रेन, रोड पेट्रोलिंग विकल्प दो-दो हैं। 12 लेन चालू हैं, सामान्य दिनों में जाम जैसी समस्या नहीं है। राहगीरों के लिए शौचालय टोल कार्यालय परिसर के अंदर है। 10 सेकेंड में गाड़ियां टोल चुकता कर आगे बढ़ जाती हैं। मार्ग पर टोल टिनशेड व डिवाइडर आदि की रंगाई-पोताई का अभाव है। दलपतपुर टोल प्लाजा पर नागरिक सुविधाओं का अभाव नहीं है। राहगीरों की मदद वाली व्यवस्थाएं भी दे रखी हैं। एंबुलेंस, क्रेन, रोड पेट्रोलिंग करने वाले वाहन हैं। प्रत्येक दो किमी पर इलेक्ट्रॉनिक कॉल बूथ हैं। बरेली तक हमारे दो टोल प्लाजा हैं, जहां वाहनों से टोल लेते हैं।- योगेश चौधरी, टोल प्रबंधक-दलपतपुर

कांवड़ यात्रा के दौरान ट्रैफिक का रूट प्लान देखकर फिर निकलें

मुरादाबाद- कांवड़ यात्रा प्रारंभ होने वाली है...यात्रा को सुगम बनाने के लिए पुलिस ने यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी कर ली है घर से निकलने से पहले ट्रैफिक पुलिस का रूट डायवर्जन प्लान जरूर समझ लें। मंगलवार से कांवड़ यात्रा प्रारंभ होने वाली है। यात्रा को सुगम बनाने के लिए पुलिस ने यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी कर ली है। तैयारी के मुताबिक, प्रथम शुक्रवार (सात जुलाई) शाम छह बजे से सोमवार शाम चार बजे तक यातायात डायवर्ट रहेगा। यह क्रम 17 जुलाई अर्थात तृतीय सोमवार तक चलेगा। इस बीच में रूट डायवर्जन वाले मार्गों पर ही बसें या अन्य वाहन चलेंगे। कांवड़ यात्रा के प्रथम सोमवार के लिए (सात से 10 जुलाई अर्थात शुक्रवार शाम छह बजे से सोमवार शाम चार बजे तक) के बीच मुरादाबाद-दिल्ली हाईवे पर ट्रक, बस व अन्य भारी वाहन बदले मार्ग से पास कराए जाएंगे। इस दौरान हल्के वाहन मुरादाबाद से दिल्ली की ओर जाने वाली लेन (साइड) पर चलेंगे, जबकि दिल्ली से मुरादाबाद की ओर आने वाली लेन पर केवल कांवड़ियां और उनके वाहन सफर कर सकेंगे। मुरादाबाद-बिजनौर मार्ग पर सात से 17 जुलाई के बीच बस, ट्रक और अन्य भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इन वाहनों को भी डायवर्जन वाले रूट से पास कराया जाएगा। मार्ग के एक लेन में हल्के वाहन पास होंगे, जबकि दूसरी लेन में कांवड़ियां निकलेंगे।

ट्रैफिक डायवर्जन

मुरादाबाद से बिजनौर/हरिद्वार जाने वाली रोडवेज बसें अस्थाई बस स्टैण्ड (प्रेम वंडर लैंड फ्लाई ओवर के नीचे) थाना कटघर से ठाकुरद्वारा, काशीपुर, जसपुर, अफजलगढ़, शेरकोट, धामपुर होते हुए बिजनौर/हरिद्वार की ओर जाएंगे और इसी मार्ग से वापस आयेंगे। मुरादाबाद से बिजनौर की ओर जाने वाले हल्के वाहन वाया टीएमयू से शेरुआ चैराहा, छजलैट, नूरपुर, होकर बिजनौर जाएंगे। इसी मार्ग से वापस आयेंगे। बिजनौर रोड से बरेली/रामपुर जाने वाले हल्के वाहन कोठीवाल डेंटल कॉलेज कट से ठाकुरद्वारा बाईपास होकर भोजपुर होते हुए काशीपुर तिराहा होते हुए रामपुर/बरेली जाएंगे। मुरादाबाद से बिजनौर/हरिद्वार/मुजफ्फरनगर को जाने व आने वाला भारी वाहन मुरादाबाद से ठाकुरद्वारा, जसपुर अफजलगढ़, धामपुर, बिजनौर से जायेगा। मुरादाबाद से बिजनौर/हरिद्वार जाने वाले भारी वाहन बिलारी, सिरसी, सम्भल, गवां, नरौरा, डिबाई, शिकारपुर, बुलंदशहर, होकर बिजनौर/हरिद्वार पहुंचेंगे। (सात से 17 जुलाई तक)

इन मार्गों के लिए परिवर्तित रूट

बरेली से दिल्ली की ओर जाने वाले भारी वाहन वाया मिलक, शाहबाद, बिलारी, सिरसी, संभल, गवां, नरौरा, डिबाई, शिकारपुर, बुलंदशहर, हापुड़, गाजियाबाद होकर दिल्ली पहुंचेंगे, इसी मार्ग से वापसी में दिल्ली से बरेली जाएंगे। रामपुर से मुरादाबाद की ओर आने वाला भारी वाहन वाया-शाहबाद, बिलारी होकर अस्थाई बस स्टैंड आजाद नगर कटघर जाएंगे, इसी

मार्ग से वापस होकर रामपुर जा सकेंगे।

मुरादाबाद से दिल्ली एवं मेरठ की ओर जाने वाली रोडवेज बसें अस्थाई बस स्टैंड आजाद नगर कटघर से बिलारी, सिरसी, संभल, गवां, नरौरा, डिबाई, शिकारपुर, बुलंदशहर होकर दिल्ली/मेरठ जाएंगी और इसी मार्ग से वापस आएंगी। महाराणा प्रताप चौक से जीरो प्वॉइंट पाकबड़ा तक का क्षेत्र नो-ट्रैफिक जोन रहेगा।

इस बार श्रावण माह आठ सोमवार वाला है। कांवड़ियों के लिए शुक्रवार से सोमवार के बीच रूट डायवर्जन किया है। अगर कांवड़ियों की संख्या अधिक रहती है तो आवश्यक्तानुसार हल्के वाहन के संचालन को भी डायवर्ट किया जा सकता है। कहां बैरिकेडिंग करानी है या अन्य व्यवस्थाएं करनी है, इसके लिए मार्गों का मौका मुआयना भी किया जा रहा है। - सुभाष चंद्र गंगवार, एसपी ट्रैफिक

सुपर जोइनिंग वीक

उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live

आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से

रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की

12 पेज का फुल अखबार

एक बार कॉल अवश्य करे

9027776991

प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

समान नागरिक संहिता: अखिलेश यादव ने साफ किया सपा का स्टैंड, कहा उनके लिए अहम है 'पीडीए' की हिस्सेदारी

डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि गैर बराबरी तभी खत्म होगी, जब जातीय जनगणना हो और आबादी के हिसाब से सभी को हक और सम्मान मिले। उन्होंने भाजपा सरकार से मांग की कि नौकरियों में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की हिस्सेदारी को सार्वजनिक किया जाए। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर अखिलेश ने साफ कहा कि वह इसके विरोध में हैं।समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर सपा ने आखिरकार चुप्पी तोड़ दी है। पार्टी सुप्रीमों अखिलेश यादव ने साफ किया है कि उनकी पार्टी इसके विरोध में है। सपा मुख्यालय में स्थित लोहिया सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सपा प्रमुख ने कहा कि जातीय जनगणना देश की जरूरत है ताकि वंचितों को बराबरी का दर्जा दिया जा सके। सवाल किया कि जितने रोजगार अभी तक दिए हैं, सरकार बताए कि पीडीए के लोग कितने हैं क्योंकि जब हम सरकार में थे तब खूब लिस्ट जारी होती थी। कई राज्यों में राजनीतिक उठापटक पर बोले कि पहले मध्य प्रदेश भाजपा की प्रयोगशाला थी। अब महाराष्ट्र उससे बड़ी प्रयोगशाला हो गई है। सवाल किया कि मुनाफा किसकी जेब में जा रहा है। उधार लेकर अर्थव्यवस्था संभाली जा रही है। कार्यक्रम में अपना दल कमेरावादी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने कहा कि सोनेलाल पटेल के जन्मदिवस पर जातिवार जनगणना पर चर्चा ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि पिछड़ों के नकली नेताओं का दौर अब समाप्त होने वाला है। पिछड़ों और वंचितों की लड़ाई में हम अखिलेश यादव का साथ देंगे। समाजवादी चिंतक और पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह ने जातिवार जनगणना की जरूरत बताते हुए कहा कि 1931 की जातीयगणना आज भी हर नीति का आधार है। जबकि 1947 में विभाजन के बाद इसका कोई महत्व नहीं रह गया। आज नए सिरे से जातीय जनगणना हो जाए तो 60 फीसदी पिछड़े मिलेंगे। उन्होंने महिलाओं को पिछड़ा बताते हुए कहा कि उन्हें भी जोड़ लें तो संख्या 85 फीसदी हो जायेगी। कमेरा चेतना फाउंडेशन के अध्यक्ष पंकज निरंजन ने कहा कि डॉ. सोने लाल पटेल की जयंती पर श्रद्धा का इससे बेहतर रास्ता

नहीं था कि उनकी जयंती पर जातीय जनगणना और पिछड़ों की बात उठाएं। बिलाल साबरी ने अखिलेश पर कविता सुनाकर वाहवाही लूटी। शाहनवाज साबरी ने मुलायम सिंह, सपा और अखिलेश पर संगीतमय प्रस्तुति दी।

कन्नौज सोनेलाल की जन्मस्थली, मेरी कर्मस्थली

अखिलेश ने कहा कि अपना दल के संस्थापक डॉ सोनेलाल पटेल का जन्म स्थान कन्नौज था और मेरी कर्मस्थली भी कन्नौज है। उन्होंने प्रयागराज में पीडी टंडन पार्क में डॉ. पटेल पर हुआ हमला याद दिलाते हुए कहा कि सभी को पता है कि किसने कराया था। इस हमले के बाद बरसों उन्हें इलाज कराना पड़ा लेकिन पूरी तरह ठीक नही हो सके।

अब एमओयू वालों की हो रही तलाश

अखिलेश ने ग्लोबल इन्वेस्टमेंट मीट पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इन्वेस्टमेंट मीट तो हुई लेकिन एमओयू जमीन पर होते तो यूपी की तस्वीर अलग होती। जीडीपी की ग्रोथ रेट नीचे होने से साफ है कि गरीब का घर खुशहाल नही है। कहा कि डीएम ने चालू कारखानों को भी एमओयू में शामिल कर दिया। अब नए एमओयू वाले नही मिल रहे। उन्हें खोजने के लिए अधिकारी विदेश जा रहे हैं। जीडीपी की नीची ग्रोथ रेट पर सवाल उठाते हुए कहा कि मैन्यूफैक्चरिंग को लेकर बड़े बड़े सपने दिखाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी पर किया व्यंग्यात्मक हमला

योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बगैर अखिलेश ने कहा कि डगमगाती सरकार का वीडियो सभी ने देखा है। तंज कसा कि सुबह चार बजे जागने वालों का योगा देखा आपने। जो काम नही कर सकते तो क्यों करना। केवल अनुलोम विलोम से भी काम चला सकते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लिए बगैर अखिलेश ने कहा कि जैसे ही वो अमेरिका से भारत लौटे तो यूसीसी का बवाल उठा दिया। कहा जाता है कि कभी कभी जुबान में सरस्वती बैठ जाती हैं। उनके यहां भारत में सरस्वती नही बैठीं लेकिन अमेरिका में सांसदों के बीच वह इन्वेस्ट की जगह इन्वेस्टिगेट बोल दिया। ओपन बुक परीक्षा को लेकर कहा कि जल्द वो दिन आएगा, जब ओपन बुक परीक्षा देकर सभी अच्छे नंबरों से पास होंगे। मायावती द्वारा यूसीसी के समर्थन पर अखिलेश ने कहा कि वे समान नागरिक संहिता के विरोध में हैं।

अखिलेश ने भाजपा को धन्यवाद दिया

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने साजिश कर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान का हाल खाली करा लिया, जिसके बाद ये कार्यक्रम लोहिया सभागार में हुआ। इसके लिए अखिलेश ने भाजपा को धन्यवाद दिया। गौतरलब है कि एलडीए ने पुलिस की अनुमति न होने की वजह से आवंटन रद्द कर दिया था। इसके बाद पार्टी ने सपा मुख्यालय के लोहिया सभागार में कार्यक्रम करने का फैसला किया।

अब जानवर कर रहे ट्रैफिक कंट्रोल

अखिलेश ने चौराहों पर पशुओं की मौजूदगी पर तंज कसते हुए कहा कि आपने कभी ट

ैफिक परिचालन में जानवरों को देखा है।

आगे कहा कि दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं है जहां जानवर ट्रैफिक संचालन करते हों

लेकिन यहां नए अधिकारियों की नियुक्ति हो गई है। अखिलेश ने कहा कि शनिवार को बाराबंकी गए थे। रास्ते में कोई चौराहा ऐसा नहीं मिला जहां जानवर न दिखे हों।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सम्पन्न हुई ,संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच
रिठौरा-श्री0पी0सी0आजाद इण्टर कॉलेज बिहार कला में रविवार को संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एसडीएम फरीदपुर पारूल तरार, स्ट्रेटिक मजिस्ट्रेट डॉक्टर मेहरबान सिंह, केन्द्र व्यावस्थापक डॉक्टर राजेन्द्र कुमार गंगवार के नेतृत्व में दो पालियों में सुबह प्रथम पाली 9ः30 बजे480 में 126 ने तथा द्वितीय पाली 2 से 4 में 163 ने परीक्षा दी।
परीक्षा में प्रमोद स्वरूप,जलज सक्सेना, पारस गंगवार, सनोज गंगवार, नरेश गंगवार वरिष्ठ लिपिक पंकज कुमार सिंह, प्रदीप कुमार गुप्ता, भारती माला, सुनील कुमार गंगवार सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 225का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, दवाएं दीं

क्यूँ न लिखूँ सच
रिठौरा-रविवार को नगर पंचायत कार्यालय प्रांगण में आयोजित शिविर का शुभारंभ चेयरमैन शकुन्तला देवी व पूर्व सभापति अमित कुमार गुप्ता ने किया। शिविर की सूचना पहले मिलने के कारण आसपास के क्षेत्रों से कई लोग निर्धारित समय से पहले ही शिविर स्थल पर पहुंचने लगे थे। कुशल डॉक्टरों की टीम ने शिविर में आए लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर उपचार के बारे में उचित परामर्श दिया। कैंसर सर्जन डॉ प्रेम किशोर ने बताया कि जांच में ज्यादातर लोग हड्डी, जोड़ों के दर्द, मौसमी बुखार, ब्लड प्रेशर, शुगर, पेट संबंधी बीमारी से पीड़ित थे। इसके अलावा कैम्प में ईसीजी, शुगर, दिल, ऑक्सिजन आदि की जांच निशुल्क की गई और दवाइयां वितरित की गई। टीम में डॉ स्वेतांक गंगवार, डॉ राकेश कुशवाहा, डॉ मुकुन्द शारदा, डॉ अनुज गुप्ता, डॉ अरुण प्रताप सिंह, डॉ सुमित कुमार, राजकुमार गुप्ता आदि थे।

बन गये स्वास्थ्य मंत्री से उप मुख्यमंत्री संभाग में हाल बेहाल

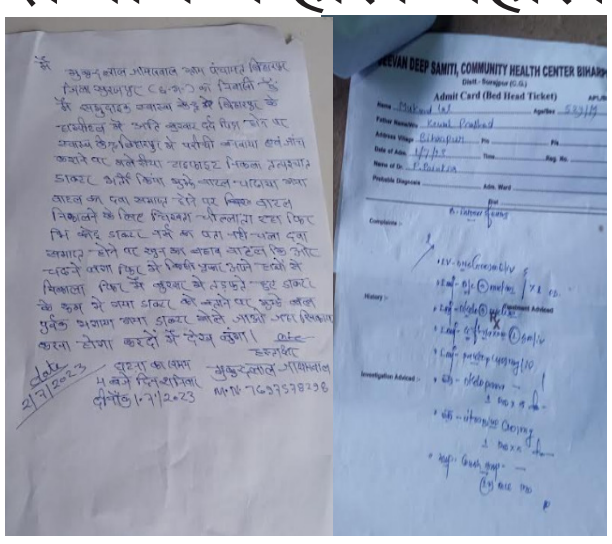

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूं सच
सूरजपुर-बिहारपुर - स्वास्थ्य मंत्री व उप मुख्यमंत्री के संभाग सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिहारपुर चांदनी में स्वास्थ्य कर्मियों के मनमर्जी लापरवाही रवैए से मरिज चिखते चिल्लाते तड़पते रहे कोई ध्यान नहीं दिया जाता 1 जुलाई को मुकुन्दलाल जायसवाल पिता केवला प्रसाद की अचानक तबियत बिगड़ी दर्द बुखार से पीड़ित पहूंचे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जहां जांच के दौरान मलेरिया टाईफाइड निकलने से भर्ती कर लिया गया फिर वार्ड में वेड पर बांटल लगाकर डाक्टर नर्स हास्पीटल से गायब हो गए दवा खत्म होने पर मरिज निकालने के लिए चिखता चिल्लाते रहा कोई नहीं आया।खुन शरीर से बाटल में वापस जाने लगा, परिजन पहुंचकर बाटल को बंद किया डाक्टरो को बताने पर डाक्टरो के इतने हौसले बुलंद हैं कि उल्टा ही डाक्टर भड़क कर मरिज को गालियां देने लगे बोले जाओ जहां जाना है शिकायत कर दो,देख लेंगे कहकर धक्का देकर अस्पताल से बाहर भगा दिया।

शिव मंदिर में हुआ तांडव: दूसरी शादी की तैयारी में गोद भराई कर रहे पति को पहली पत्नी ने पकड़ा, हंगामा

गोद भराई की रस्म अदा करने के दौरान युवक की पहली पत्नी ने मंदिर में पहुंचकर धावा बोल दिया। उस दौरान अपने पति को युवती के साथ गोद भराई की रस्म अदा करते रंगे हाथों पकड़ लिया।पहली पत्नी के रहते हुए पति द्वारा दूसरी युवती के साथ शादी से पहले गोद भराई की रस्म अदा की जा रही थी। मंदिर परिसर में पहली पत्नी ने रंगे हाथों पति को गोद भराई की रस्म अदा करते हुए पकड़ लिया। मौके पर पहली पत्नी ने जमकर हंगामा काटा और डायल 112 पुलिस को बुला लिया। उधर गोद भराई के लिए आए हुए लोग हंगामा देखकर खिसक लिए। मामला शाहबाद कोतवाली पहुंचा। कोतवाली पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी हुई थी। रविवार दोपहर को प्राचीन शिव मंदिर में उस दौरान हंगामा खड़ा हो गया। जब पति द्वारा दूसरी शादी की लिए गोद भराई की रस्म अदा की जा रही थी, और पहली पत्नी पहुंच गई। दरअसल जनपद बरेली के थाना मीरगंज क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक अपने परिवार वालों के साथ शाहबाद के प्राचीन शिव मंदिर में दूसरी शादी के लिए युवती देखने आया था। पति को युवती पसंद आ गई और रविवार दोपहर शादी से पहले युवती की गोद भराई की रस्म अदा की जा रही थी। गोद भराई की रस्म अदा करने के दौरान युवक की पहली पत्नी ने

मंदिर में पहुंचकर धावा बोल दिया। उस दौरान अपने पति को युवती के साथ गोद भराई की रस्म अदा करते रंगे हाथों पकड़ लिया।
गोद भराई की रस्म अदा होते हुए देखकर पहले पत्नी के तेवर तल्ख हो गए और जमकर हंगामा खड़ा कर दिया। हंगामा सुनकर आसपास और मंदिर परिसर में मौजूद लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पहली पत्नी और पति व उसके परिजनों के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। मामले को बिगड़ता हुआ देखकर पहली पत्नी ने डायल 112 पुलिस कर्मियों को सूचना दे दी। सूचना पाकर डायल 112 के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और भीड़ को तितर-बितर करने के बाद दोनों पक्षों को शाहबाद कोतवाली ले आए। हंगामा करने वाली पहली पत्नी ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी युवक के साथ बीती 29 अप्रैल वर्ष 2018 में हुई थी। पिता ने दहेज में पांच लाख रुपये कैश दिया था और लगभग 10 लाख रुपये की शादी की थी। शादी के बाद से परिवार में विवाद शुरू हो गया था। जिसके बाद वर्ष 2019 में युवती अपने पति से अलग हो गई। उस दौरान युवती ने दहेज एक्ट का मुकदमा भी पंजीकृत कराया था। आरोप लगाते हुए युवती ने बताया कि मामला कोर्ट में विचाराधीन है। युवती द्वारा बताया गया कि पूर्व में आरोपी पति द्वारा पांच लाख रुपयों का एक फर्जी चेक युवती को थमा दिया था। उस दौरान पांच लाख रुपये का दिया हुआ चेक बाउंस हो गया था। जिसके बाद युवती की ओर से दूसरा 420 का मुकदमा पति पर पंजीकृत करा दिया था। उधर इसी प्रकरण में पति ने पुलिस को बताया कि वह अपनी बहन की दवा दिलाने शाहबाद आया हुआ था। शादी करने का मामला पत्नी द्वारा झूठा लगाया जा रहा है, सारे आरोप निराधार बताए। अपराध निरीक्षक हारुन खान ने बताया कि मामले की तस्दीक की जा रही है। जांच-पड़ताल के बाद ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

मां की आपबीती: तीन बेटियों को गंगा में फेंका, बोली- पति कराता देह व्यापार; विरोध पर लगाता है नशे का इंजेक्शन

क्यूँ न लिखूँ सच
बरेली जिले की एक महिला अपनी तीन बेटियों को लेकर आत्महत्या करने कछला गंगा घाट पहुंची। उसने एक-एक करके रविवार दोपहर तीनों बेटियों को गंगा में फेंक दिया। वहीं नजदीक में मौजूद गोताखोर यह सब देख रहे थे। वह तुरंत महिला की ओर दौड़ पड़े। महिला ने बताया कि उसका पति काफी समय से परेशान कर रहा है। उसके साथ मारपीट करता है। उससे देह व्यापार कराता है। जब वह विरोध करती है तो उसको नशे के इंजेक्शन देता है। उन्होंने कड़ी मशक्कत से तीनों बेटियों को बचा लिया। इस दौरान

महिला गंगा में नहीं कूद पाई थी। गोताखोरों की सूचना पर कछला चौकी पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने उसके पति को बरेली से बुलाया है। महिला का कहना है कि उसका पति काफी समय से परेशान कर रहा है। उसके साथ मारपीट करता है। उससे देह व्यापार कराता है। जब वह विरोध करती है तो उसको नशे के इंजेक्शन देता है। पुलिस उसके पति के आने का इंतजार कर रही है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

भारती द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा उत्सव एवं कला साधक सम्मान समारोह

श्याम जी कश्यप
क्यूँ न लिखूँ सच
फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद- कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा उत्सव एवं कला साधक सम्मान समारोह कार्यक्रम में विभिन्न विधाओं में कला साधना करने वाले कला साधकों को सम्मानित किया गया। रविवार को नगर के महादेव प्रसाद स्ट्रीट स्थित नटराज भवन में आयोजित गुरु पूर्णिमा उत्सव एवं कला साधक सम्मान समारोह का राष्ट्रीय कवि डॉक्टर शिवओम अम्बर, प्रांतीय महामंत्री सुरेंद्र पाण्डेय,अध्यक्ष डॉक्टर नवनीत गुप्ता, सचिव दिलीप कश्यप ने दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण कर भगवान नटराज का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । उपाध्यक्ष अरविंद दीक्षित ने सामूहिक रूप से ध्येय गीत का गान कराया । इसके बाद संस्था के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने भगवान नटराज का क्रमानुसार पूजन किया ।स्नेहा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में आए सभी सदस्यों का चंदन तिलक किया ।मानस मर्मज्ञ संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष नवीन मिश्रा नब्बू द्वारा हे मेरे गुरुदेव करुणा, सिंधु करुणा कीजिए, हूं अधम आधीन अशरण, अब शरण में लीजिए,गुरु वंदना की प्रस्तुति दी गई । संगीत विधा प्रमुख गौरब मिश्रा बंटी द्वारा %सारे तीरथ धाम आपके चरणों में, हे गुरुदेव प्रणाम आपके चरणो में,भजन प्रस्तुत किया गया । राष्ट्रीय कवि डॉक्टर शिवओम अम्बर ने आषाढ़ी के दिन पढ़ने वाली गुरु पूर्णिमा के महत्व के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने कहा कि हर पूर्णिमा किसी न किसी विशेष दिन के लिए जानी जाती है गुरु जीवन में अंधकार को खत्म कर प्रकाश भरने का काम करते हैं । प्रांतीय महामंत्री सुरेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि गुरु शिष्य परंपरा को जीवंत रखने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है बिना गुरु के हमारे जीवन की कल्पना ही संभव नहीं है। संस्कार भारती प्रति वर्ष गुरु पूर्णिमा उत्सव एवं कला साधक सम्मान समारोह में कला गुरुओं व कला साधकों का सम्मान करती है । विभिन्न विधाओं में कला साधना कर रहे कला साधकों का संस्था के पदाधिकारियों द्वारा परिचय कराया गया । राष्ट्रीय कवि डॉक्टर शिवओम अम्बर को जोधपुर में आयोजित कवि सम्मेलन में मनहर सम्मान मिलने पर संस्था द्वारा सम्मानित किया गया ।इसके बाद नाट्य विधा में पिछले कई वर्षों से योगदान व कला साधना करने के लिए थानाध्यक्ष मऊदरवाजा अमोद कुमार सिंह को सम्मानित किया गया । साहित्य क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से लेखन करने के लिए विजय सिंह कुशवाहा राधेश्याम को सम्मानित किया गया । लोक कला को बढ़ावा देने के लिए वसेली से आए राजाराम पाण्डेय को सम्मानित किया गया । इसी के साथ प्राचीन कला में योगदान व इतिहास की जानकारी के लिए पर्यटन अधिकारी चित्रगुप्त श्रीवास्तव जी को सम्मानित किया गया । संगीत क्षेत्र में योगदान के लिए मुदित टंडन को सम्मानित किया गया । कई वर्षों से चित्रकला के क्षेत्र में योगदान के लिए केंद्रीय विद्यालय के शिक्षक कविलास राम को सम्मानित किया गया । नृत्य कला में योगदान के लिए गुलशन जहां को सम्मानित किया गया । कार्यक्रम की व्यवस्था कोषाध्यक्ष अर्पण शाक्य,अनुभव सारस्वत, प्रवेश वर्मा प्रीतू,अरविंद दीक्षित दिलीप कश्यप, शशीकांत पाण्डेय,आदि ने संभाली संचालन कवि महेश पाल सिंह उपकारी ने किया । अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष डॉक्टर नवनीत गुप्ता ने की । इस अवसर पर हेमलता श्रीवास्तव,नेहा सक्सेना,चित्रा अग्निहोत्री,भूपेंद्र प्रताप सिंह, अनिल प्रताप सिंह, रविंद्र भदौरिया, प्रमोद अग्रवाल,पारुल सैनी,अर्चना द्विवेदी,रजनी लौंगवानी, कोमल शर्मा,साधना श्रीवासत, अनुराग पाण्डेय,सुनीता सक्सेना, दीपक रंजन सक्सेना, अखिलेश पाण्डेय,शिवम दीक्षित, ज्योति गुप्ता, समरेंद्र शुक्ल,आदेश अवस्थी,राम अवतार शर्मा इंदु, राज गौरब पाण्डेय,मधुवाला अवस्थी शशिवला अग्निहोत्री, किरन त्रिवेदी, नरेंद्र नाथ मिश्रा,पंकज पाण्डेय, दिनेश अवस्थी, अंजली,अंशु,आदि लोग उपस्थित रहे

कलयुगी बहू की करतूत बुजुर्ग सास ससुर और उसके भाई के साथ बिना बजय करती गाली गलौज

श्याम जी कश्यप
क्यूँ न लिखूँ सच
फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद कलयुगी बहू की करतूत बुजुर्ग सास ससुर और उसके भाई के साथ बिना बजय करती गाली गलौज और मारपीट बहु बिना बजय सांस के साथ आय दिन करती है मारपीट बुजुर्ग शास् के विरोध करने पर बहू अपने परिजनों को बुलाकर कर रहि मारपीट बहू सास को घर से बाहर निकालना चाहती है और मकान पर कब्जा करना चाहती इसी वजह से बुजुर्ग

सास के साथ आए दिन अपने घरवालों को बुलाकर करती है मारपीट बहू के खिलाफ पीड़ित सास ने कई बार पुलिस से लिखित शिकायत की लेकिन पुलिस नहीं कर रही कोई कार्यवाही किसी बड़ी घटना का कर रही है इंतजार पुलिस पीड़ित बुजुर्ग महिला की नहीं सुनी कोतवाली पुलिस ने फरियाद बहू ने घरवालों के साथ मिलकर सास को मारपीट कर घर से निकाला पीड़ित महिला का भाई गाने आया तो उसके साथ भी जमकर की मारपीट पीड़ित बुजुर्ग महिला को अपनी बहू से जान का खतरा किसी भी समय बहुत दे सकती है घटना को अंजाम वक्त रहते पुलिस ने ना की कार्रवाई तो हो सकती है बड़ी घटना मामला कोतवाली फर्रुखाबाद क्षेत्र का

विद्युत तार से चिपक कर गांव पपड़ी खुर्द निवासी अधेड़ की मौत, बीते दिन घास लेने गया था अधेड़

श्याम जी कश्यप
क्यूँ न लिखूँ सच
फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद के कायगंज में विद्युत तार से चिपक कर पपड़ी खुर्द निवासी अधेड़ की मौत हो गई ।अधेड़ बीते दिन गांव के ही मोहित यादव के खेत में घास लेने के लिए गया था। और देर शाम तक वापस नहीं लौटा आज सुबह उसका शव खेत में पड़े विद्युत तार से चिपका हुआ मिला है। आपको बता दें

कि कोतवाली क्षेत्र कायमगंज के गांव पपड़ी खुर्द निवासी 50 वर्षीय हाकिम पुत्र श्री कृष्ण बीते दिन लगभग सायं 3ः30 बजे गांव के ही मोहित यादव के खेत में घास लेने के लिए गए थे जो देर शाम तक वापस नहीं लौटे परिजन रात में खोजबीन करते रहे ।लेकिन हाकिम का पता नहीं चला। बताया गया कि आज जब खेत मालिक मोहित यादव पहुंचे तो उन्होंने विद्युत तार से चिपका हाकिम सिंह को जमीन पर पड़ा देखा ।जिसके बाद उन्होंने उनके परिजनों को सूचित किया ।मौके पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। बताया गया कि विद्युत तार गांव के ही खेमकरन का है ।जो चोरी से कटिया डालकर बिजली जलाते थे। तार किसी प्रकार टूट कर जमीन पर गिर गया होगा। और घास लेने गए हाकिम सिंह ने तार नहीं देख पाया ।जिससे उनकी तार से ही चिपक कर मौत हो गई ।फिलहाल में सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल करने के बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए फतेहगढ़ भेज दिया है।

पापा मेरा क्या कसूर. बेरहम बाप ने बेटे को गंडासे से काटा पत्नी.पुत्री और बहन पर भी हमला फिर मौत को लगाया गले

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच
फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद जिले के कमालगंज थाना क्षेत्र में कर्ज से परेशान व्यापारी ने गंडासे से वार कर सो रहे पुत्र की हत्या कर दी वहीं पत्नी और पुत्री के चीखने पर बीच-बचाव करने आई बहन पर भी जानलेवा हमला कर दिया इसके बाद व्यापारी ने खुद भी पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है सूचना पर पुलिस अधीक्षक एएसपी सीओ व फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर जांच शुरू की है पुलिस ने पिता-पुत्र के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया व्यापारी ने व्हाट्सएप ग्रुप पर परिवार सहित आत्महत्या की जानकारी दी थी जानकारी के अनुसार जहानगंज थाना क्षेत्र के गांव रतनपुर निवासी दिनेश यादव 35 पशुओं के दाना बेचने का काम करता है वह अधिक कर्ज होने के चलते परेशान रहता था शनिवार की रात खाना खाने के बाद दिनेश पत्नी और बच्चों के साथ कमरे में सोने चला गया था.सो रहे पुत्र पर ताबड़तोड़ वार रविवार भोर करीब चार बजे दिनेश ने कमरे में सो रहे पुत्र ओसीएम 3 पत्नी मीना 32 व पुत्री आंशी 11पर गंडासे से जानलेवा हमला कर दिया बचाने पहुंची बहन शीतल 22 पर भी वार कर दिया इससे पुत्र की मौत हो गई जबकि अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।पेड़ से फंदा लगाकर दी जान घटना के बाद दिनेश ने दो सौ मीटर दूर स्थित नलकूप के पास जामुन के पेड़ पर रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली घटना के बाद परिजन ओसीएम आंशी शीतला व मीना को फर्रुखाबाद स्थित अस्पताल ले गए यहां स्वास्थ्य कर्मी ने ओसीएम को मृत घोषित कर दिया।क्राइम एरिया को पट्टी बांधकर सीज किया हत्या जानलेवा हमले व आत्महत्या की घटना से गांव में सनसनी फैल गई मामले की सूचना पर थानाध्यक्ष मनोज भाटी ने क्राइम एरिया को पट्टी बांधकर सीज कर दिया जानकारी पर अधीक्षक विकास कुमार एडिशनल एसपी डॉ.संजय सिंह सीओ मोहम्मदाबाद अरुण कुमार पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू की।फोरेंसिक टीम ने जुटाए हैं साक्ष्य फोरेंसिक टीम पहुंचकर शव के पास से साक्ष्य जुटाए पुलिस ने बाग से दिनेश के शव को कब्जे में लिया ओसीएम व दिनेश के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया घटना से परिजनों में कोहराम मच गया परिजनों के मुताबिक दिनेश ने एक पशु आहार कंपनी में 40 लाख रुपये की मक्का भेजी थी दोषियों के विरुद्ध होगी कार्रवाई उसका भुगतान न होने से दिनेश पर कर्ज हो गया कंपनी कर्मचारियों ने दिनेश पर मुकदमा दर्ज कराकर उन्हें जेल भिजवाया था जिससे वह परेशान रहता था एसपी विकास कुमार ने बताया कि पुलिस सभी तथ्यों पर जांच पड़ताल कर रही है दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी

भाजपा सांसद के बाद विधायक ने बीच चौराहे पुलिस को हड़काया, बोले- वर्दी का ख्याल है नहीं तो...ठोकेंगे

आगरा में भाजपा सांसद के बाद विधायक ने बीच चौराहे पुलिस को हड़काया है। कहा कि वर्दी का ख्याल है नहीं तो...ठोकेंगे। यहां गुंडई कर रहे हैं। इस जगह को उगाही का अड्डा बना दिया है। उत्तर प्रदेश के आगरा में भाजपा विधायक ने पुलिस वालों को रिश्वत लेकर गाड़ी छोड़ते हुए पकड़ा। इस पर वह भड़क गए। पुलिस अधिकारियों को फोन करके इन पुलिसकर्मियों की शिकायत की। कहा कि वर्दी का ख्याल रखें नहीं तो ठुकेंगे। पब्लिक ने भी विधायक की बातों का समर्थन किया। मामला कमलानगर थाना क्षेत्र स्थित सेंट्रल बैंक रोड का है। रविवार की दोपहर भाजपा विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल इधर से

निकल रहे थे। इसी समय यहां पर यातायात पुलिस चेकिंग कर रही थी। पुलिस ने विधायक की गाड़ी को भी रोक लिया। इस पर विधायक का पारा चढ़ गया। इसी समय लोगों ने बताया कि पुलिस सीट बेल्ट न लगाकर निकल रहे लोगों से वसूली कर रही है। कई अन्य लोगों ने भी यही बात कही। गाड़ी रोकने पर विधायक का पारा पहले से चढ़ा था, यह बात सुनते ही वह आग बबूला हो गए। उन्होंने तत्काल पुलिस अधिकारियों को फोन करके इस मामले से अवगत कराया। कहा कि इस जगह को वसूली का अड्डा बना दिया है। मेरे सामने पैसे ले रहे हैं। ठीक से काम करें। बस इनकी वर्दी का ख्याल है। नहीं तो गुंडई करेंगे तो...ठुकेंगे।

मोक्ष के घाट का अलग होगा ठाठः काशी के महाश्मशान मणिकर्णिका की बदलेगी सूरत, पीएम मोदी कर सकते हैं शिलान्यास

सनातन धर्म में तीर्थ का स्थान रखने वाले महाश्मशान मणिकर्णिका घाट जल्द ही बदले स्वरूप में नजर आएगा। मणिकर्णिका घाट के पुनर्विकास का काम सीएसआर फंड से होगा। सात जुलाई को वाराणसी दौरे पर आ रहे पीएम मोदी इसका शिलान्यास कर सकते हैं। वाराणसी के मणिकर्णिका घाट से तारकेश्वर मंदिर तक की इमारत को नागर शैली में विकसित किया जाएगा। तारकेश्वर महादेव मंदिर तक तीन मंजिला और तारकेश्वर महादेव से दत्तात्रेय पादुका तक (300 से 400 मीटर) का निर्माण होगा। इसके तहत घाट से लेकर मंदिरों के जीर्णोद्धार का काम कराया जाएगा। प्रदेश सरकार ने इसके लिए योजना बनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी आगमन के दौरान मणिकर्णिका घाट के जीर्णोद्धार और पुनर्विकास के काम का शिलान्यास कर सकते हैं। प्रशासन दौरे को लेकर अपनी तैयारियों को अमली जामा पहनाने में जुट गया है।

24 घंटे शवदाह वाला दुनिया का एकमात्र मोक्ष स्थल

मणिकर्णिका घाट के पुनर्विकास का काम सीएसआर फंड से होगा। नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (एनएमसीजी) की ओर से भी इसे लेकर अनुमति मिल चुकी है। इसमें मणिकर्णिका कुंड, रत्नेश्वर महादेव मंदिर का भी सुंदरीकरण किया जाएगा। पौराणिक मान्यता वाली धार्मिक यात्रा पंचक्रोशी परिक्रमा की शुरुआत और समापन भी यहीं होता है। इसके अलावा 24 घंटे शवदाह वाले दुनिया के एकमात्र मोक्ष स्थल को देखने के लिए पूरी दुनिया से पर्यटक भी रोज यहां आते हैं। हाई फ्लड जोन से ऊपर दाह संस्कार स्थल बनेगामणिकर्णिका घाट के पुनर्विकास और जीर्णोद्धार की प्लानिंग और डिजाइन कर रही प्लानर इंडिया कंपनी के चेयरमैन श्यामलाल ने बताया कि घाट और आसपास के ऐतिहासिक भवनों और मंदिरों का पुनर्विकास 17.56 करोड़ की लागत से प्रस्तावित है। जिसे रूपा फाउंडेशन सीएसआर फंड से कराने के लिए तैयार है। यहीं पर शव पंजीकरण कार्यालय भी बनाना प्रस्तावित है।इसके अलावा शव और शव यात्रियों के लिए शवदाह स्थल तक पहुंचने के लिए अलग-अलग रास्ते, शवदाह से पहले होने वाली धार्मिक रीति रिवाज आदि के लिए विशेष स्थान, शव स्नान आदि की व्यवस्था होगी। हाई फ्लड जोन से ऊपर दाह संस्कार स्थल बनेगा, यहां तक पहुंचने के लिए रैम्प होगा। बाढ़ के उच्चतम बिंदु से ऊपर, छत पर वीआईपी के लिए अलग से बैठने के लिए व्यवस्था होगी। लकड़ी बेचने वालों के लिए बनेगा प्लाजाघाट के पास बेतरतीब रखी लकड़ियों से शवदाह के लिए आने वाले लोगों को परेशानी होती थी। अब लकड़ी बेचने वालों के लिए व्यवस्थित प्लाजा बनेगा, जहां लकड़ियों का स्टोरेज भी किया जा सकेगा। जल यातायात द्वारा घाट तक लकड़ी लाने के लिए रैम्प का निर्माण, जन सुविधा के लिए शौचालय, पीने का पानी, प्रतीक्षालय, व्यूइंग एरिया, मणिकर्णिका के आसपास के हेरिटेज मॉन्यूमेंट्स, चक्र पुष्करणी कुंड, तारकेश्वर मंदिर, रत्नेश्वर मंदिर व दत्तात्रेय पादुका तक का भी जीर्णोद्धार होगा। इसके साथ ही वेस्ट डिस्पोजल सिस्टम, इंस्टीट्यूशनल फ्रेम वर्क विद ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस पूरे क्षेत्र में सीसीटीवी भी लगाया जाएगा। - 24 घंटे जलती हैं चिताएं - 250 से अधिक शवदाह होता है रोजाना - 5,000 से अधिक आते हैं शव यात्री - एक लाख श्रद्धालु करते हैं पंचक्रोशी यात्रा की शुरुआत

बाबा नामदेव अंतर्राष्ट्रीय फाउंडेशन द्वारा म्युजिक डायरेक्टर हरजीत गुड्डु का किया गया सम्मान

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना - संगीत की दुनिया में अपनी खास जगह बनाने वाले मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर हरजीत गुड्डु, जिन्होंने पिछले दिनों चार साहिबजादों की महान शहादत को समर्पित धार्मिक गीत सिखी दा महल गाकर काफी प्रसिद्धि हासिल की है, आज अपने परिवार के साथ लुधियाना में बाबा नामदेव अंतर्राष्ट्रीय फाउंडेशन के अध्यक्ष सुखविंदरपाल सिंह गरचा में रोज एन्क्लेव स्थित आवास पर पहुंचे। इस दौरान गरचा ने कहा कि जिस तरह से हरजीत गुड्डु ने कई गायकों के गानों को अपने संगीत से

सजाया है, उसी तरह उन्होंने सिक्खी दा महल धार्मिक गीत गाकर चार साहिबजादों को समर्पित किया है, धार्मिक गीत को दर्शकों ने खूब प्यार दिया है। बाबा नामदेव अंतर्राष्ट्रीय फाउंडेशन द्वारा संगीत निर्देशक हरजीत गुड्डु को सम्मान चिन्ह एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी डॉ. हरिंदर हुंदल, राजदीप सिंह गरचा, कलमजीत सिंह, रवनीत कौर गरचा, गुरलीन कौर, किरनजोत कौर, सूफी, सावी आदि भी मौजूद थे।

कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां द्वारा लुधियाना ज़िले के गाँव नारंगवाल और कोटली का किया दौरा

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना - मुख्यमंत्री भगवंत मान के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत किसान भाईयों को कम खर्चे पर और अधिक उत्पादन को यकीनी बनाने के मंतव्य के साथ, कृषि और किसान कल्याण विभाग के कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां की तरफ से आज लुधियाना ज़िले के गाँव नारंगवाल और कोटली का दौरा किया गया जहाँ उन्होंने पैडी ट्रांसपलांटर के द्वारा धान की फ़सल लगाने की विधि की समीक्षा की।

इस मौके पर उनके साथ हलका दाखा के इंचार्ज डाक्टर के. एन. एस. कंग, डायरैक्टर कृषि और किसान कल्याण विभाग गुरविन्दर सिंह, संयुक्त डायरैक्टर कृषि इंजीनियरिंग जगदीश सिंह, मुख्य कृषि अफ़सर लुधियाना डा. नरिन्दर सिंह बैनीपाल, सहायक कृषि इंजीनियरिंग अमनप्रीत सिंह घई और आसपास के गाँवों की प्रमुख सख्शियतें और पंच-सरपंच भी मौजूद रहे। उन्होंने प्रगतिशील किसान तपिन्दर सिंह की सराहना करते हुये कहा कि नौजवान किसान की तरफ से पिछले 5 सालों से पैडी ट्रांसपलांटर के द्वारा धान की बुवाई की जा रही है। उन्होंने बताया
कि इस विधि के द्वारा किसान की तरफ से जहाँ लेबर का खर्चा बचाया जा रहा है वहीं ढाई से तीन क्विंटल प्रति एकड़ उपज का लाभ भी लिया जा रहा है। इसके इलावा प्रगतिशील किसान की तरफ से अन्य किसान भाईयों को भी पनीरी दी जा रही है और इस विधि को अपनाने में सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वातावरण समर्थकी किसान की तरफ से दूसरे किसानों को फसलों के अवशेष को जलाने से गुरेज़ करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने आलीवाल नज़दीक गाँव कोटली में गुरबंत सिंह बोबी के खेत में पहुँचे जहाँ उन्होंने धान के आटोमैटिक नरसरी सिडर द्वारा पनीरी ट्रेओं में बीज बीजने वाली मशीन देखी और कुबोटा(ज़नइवजं) कंपनी की पैडी ट्रांसपलांटर मशीन के साथ होती बुवाई का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि आटोमैटिक ट्रांसपलांट की कुबोटा कंपनी की तरफ से दो मशीनें लुधियाना ज़िले में सप्लाई की हैं जिससे धान की बीजायी बहुत सुविधाजनक हो जाती है, यह मशीन मिट्टी और धान के बीज को एकसार ट्रे में लगाती है। उन्होंने किसानों को बताया कि इस मशीन से बुवाई करने से पानी की बचत होती है और धान की उपज भी बढ़ती है और लेबर की समस्या का भी समाधान होता है।

प्रसिद्ध वकील आरती कौर को पंजाब लीगल सेल महिला विंग की अध्यक्ष नियुक्त किया गया- अध्यक्ष पवनजीत कौर मान

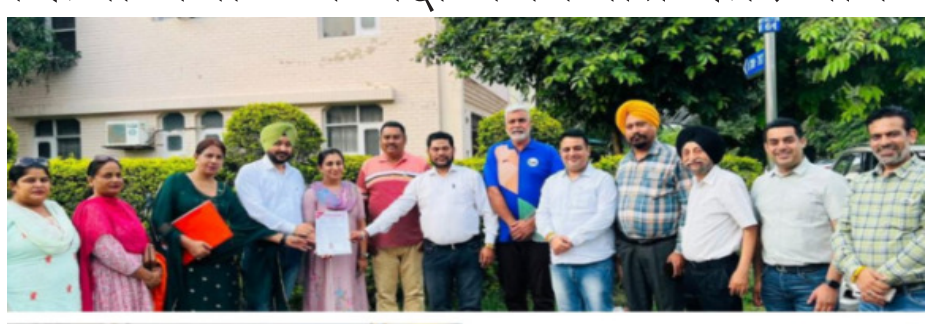

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना - ऑल इंडिया ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ इंडिया की एक बैठक एडवोकेट विशाल शर्मा चेयरमैन लीगल सेल पंजाब के नेतृत्व में हुई। बैठक में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष आसा सिंह आजाद ,अध्यक्ष महिला विंग मैडम पवनजीत कौर, राष्ट्रीय अध्यक्ष स्पोर्ट्स विंग गुरमेल सिंह भारत पंजाब अध्यक्ष चेत राम रतन पंजाब, मुख्य वक्ता मनजिंदर सिंह पंजाब और चेयरमैन गुरप्रीत सिंह आरटीआई मोहाली विशेष रूप से शामिल हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष आसा सिंह आजाद ने कहा कि आज अखिल भारतीय मानवाधिकार परिषद को पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट की मशहूर वकील आरती कौर को अखिल भारतीय मानवाधिकार परिषद पंजाब के चेयरमैन लीगल के नेतृत्व में पंजाब लीगल सेल महिला विंग का चेयरपर्सन नियुक्त करने पर गर्व है। पंजाब अध्यक्ष चेत राम रतन ने हिमाचल प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट विक्रम शर्मा को नियुक्त करने की सिफारिश को यथाशीघ्र स्वीकार कर लिया है। नवनियुक्त एडवोकेट चेयरपर्सन आरती कौर को बधाई दी गई।

इस अवसर पर इंदरजीत सिंह, चरणजीत कौर, उपाध्यक्ष, महिला विंग, खन्ना, गुरिंदर कौर, मोहाली, उपाध्यक्ष, महिला विंग, विक्रम शर्मा, एडवोकेट, सुरिंदर सिंह मोहाली, नवनियुक्त मैडम एडवोकेट आरती कौर ने प्रमुख कार्यालय का धन्यवाद किया। पदाधिकारियों और उन्हें आश्वासन दिया कि वे संगठन के सर्वश्रेष्ठ सदस्य होंगे और इंसाफ पंसद परिषद की गतिविधियों में भाग लेंगे और लोगों को न्याय प्रदान करेंगे।

निष्काम नाम सिमरन सेवा सोसायटी ने महाराजा रणजीत सिंह की पुण्य तिथि को समर्पित कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना - निष्काम नाम सिमरन सेवा सोसायटी ने आज गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा मॉडल टाउन एक्सटेंशन में शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की पुण्य तिथि को समर्पित साप्ताहिक कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया। निष्काम नाम सिमरन सेवा सोसायटी के मुख्य सेवादार भूपिंदर सिंह ने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह एक धर्मनिरपेक्ष और न्यायप्रिय महाराजा थे। जिनके राज्य में सभी धर्मों के लोगों को न्याय मिलता था और किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होता था। उन्होंने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह ने जहां सचखंड श्री दरबार साहिब अमृतसर और श्री दरबार साहिब तरनतारन में स्वर्ण सेवा की, वहीं विभिन्न धर्मों के तीर्थस्थलों के लिए भूमि दान की जिसके लिए उनके शासनकाल को स्वर्णिम शासनकाल के रूप में याद किया जाता है। इससे पहले

आयोजित साप्ताहिक कीर्तन कार्यक्रम में भाई हरविंदर सिंह हजूरी रागी सचखंड श्री दरबार साहिब अमृतसर के कीर्तनी जत्थे ने गुरबाणी कीर्तन कर संगत को निहाल किया। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि महाराजा रणजीत सिंह न केवल एक अच्छे शासक थे बल्कि गुरु घर के एक वफादार सेवक भी थे। उनकी हार्दिक और प्रिय स्मृति को सार्थक तरीके से मनाने के लिए निष्काम नाम सिमरन सेवा सोसाइटी द्वारा किए गए प्रयास पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। कार्यक्रम के अंत में निष्काम नाम सिमरन सेवा सोसाइटी के मुख्य सेवादार भूपिंदर सिंह और उनके साथी सदस्यों ने संयुक्त रूप से कीर्तनी जत्थे के सदस्यों को सिरपो से देकर उनका आभार व्यक्त किया। कीर्तन समारोह में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा मॉडल टाउन एक्सटेंशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह मक्कड़ करनैल सिंह बेदी, बलबीर सिंह भाटिया, एडवोकेट अमरजीत सिंह अरोड़ा, सुरिंदरपाल सिंह भुटियानी, जुगिंदर सिंह, सरपंच गुरचरण सिंह, एपी सिंह अरोड़ा, मनजीत सिंह टोनी, बल फतेह सिंह उपस्थित थे।

वेटरनरी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पशु चिकित्सा विज्ञान अकादमी का 21वां सम्मेलन पशु उत्पादकता बढ़ाने के संदेश से संपन्न हुआ

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना- गुरु अंगद देव वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज यूनिवर्सिटी, लुधियाना और राष्ट्रीय पशु चिकित्सा विज्ञान अकादमी के सहयोग से 1 जुलाई को शुरू हुआ दो दिवसीय 21वां दीक्षांत समारोह और वैज्ञानिक सम्मेलन आज डेयरी पशु उत्पादन बढ़ाने की नीतियों पर महत्वपूर्ण चर्चा के साथ संपन्न हुआ। आज समापन समारोह में भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. ओपी चौधरी मुख्य अतिथि थे। डॉ इंद्रजीत सिंह, वाइस चांसलर, अकादमी के अध्यक्ष डॉ. डीवीआर प्रकाश राव और महासचिव मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) एमएल शर्मा ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। इस सम्मेलन में देशभर के जाने-माने विशेषज्ञों, उद्योगपतियों, पेशेवरों और वैज्ञानिकों ने अपने विचार साझा किये। डॉ. ओपी चौधरी ने इस बात पर जोर दिया कि हमें ज्ञान की नई संरचनाओं और बिंदुओं का खोजना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को सरल तरीके से उनके दरवाजे पर सेवाएं प्रदान करके ही लाभान्वित किया जा सकता है।डॉ. डीवीआर प्रकाश राव ने कहा कि राष्ट्रीय अकादमी, गुरु अंगद देव वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज यूनिवर्सिटी और अन्य साझेदारों के साथ मंत्रणा करके भारत सरकार को डेयरी क्षेत्र में सुधार के लिए एक नीति पत्र तैयार करके दिया जाएगा । मेजर जनरल शर्मा ने पशुपालन के क्षेत्र में अकादमी की भूमिका को चिह्नित करते हुए आयोजकों और प्रतिभागियों की सराहना की।डॉ. सर्वप्रीत सिंह घुम्मन, प्रबंध सचिव ने इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों के योगदान पर चर्चा की। डॉ। यशपाल सिंह मलिक, डीन, कॉलेज ऑफ एनिमल बायोटेक्नोलॉजी ने औपचारिक रूप से मेहमानों, प्रतिभागियों, वक्ताओं और प्रायोजकों को धन्यवाद दिया।

श्रीमती डिंपल मदान ने जिला लुधियाना में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) के रूप में कार्यभार संभाला

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना - श्रीमती डिंपल मदान ने लुधियाना जिले में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) के रूप में कार्यभार संभाला है। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी (एएस) बलदेव सिंह, रिटा. जिला शिक्षा अधिकारी (एएस) हरजीत सिंह, उप जिला शिक्षा अधिकारी (एएस) जसविंदर सिंह और उप जिला शिक्षा अधिकारी (एएस) मनोज कुमार का स्वागत और अभिनंदन किया गया। इस मौके पर नवनियुक्त डीईओ श्रीमती डिंपल मदान ने कहा

कि पिछले दिनों जिले में स्कूलों में नामांकन और शिक्षा के स्तर में काफी वृद्धि हुई है और अब वह भी अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर शिक्षा में सुधार के लिए काम कर रही हैं. स्तर को ऊपर उठाने के लिए हरसंभव प्रयास किये जायेंगे। इस बीच, उप जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) जसविंदर सिंह विर्क ने कहा कि लुधियाना में माध्यमिक और प्राथमिक कार्यालय के माध्यम से एक साथ काम करते हुए शिक्षकों की प्रत्येक समस्या का समाधान शीघ्रता से किया जाता है तथा मॉनिटरिंग भी बहुत अच्छे से की जाती है। उन्होंने कहा कि नये डीईओ के साथ काम करते हुए जिले के शिक्षकों को तनाव मुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जायेगा, जिसमें वे बिना किसी दबाव के शिक्षण कार्य कर सकें और उन पर पड़ने वाले अतिरिक्त काम के बोझ को कम करने का प्रयास किया जायेगा और वे कक्षा में अधिक समय बिता सकते हैं। इस मौके पर संजीव कुमार (जूनियर असिस्टेंट), गुरप्रीत सिंह (मिनिस्ट्रियल स्टाफ), अजीतपाल सिंह, प्रिं. गुरजंट सिंह, जिला नोडल अधिकारी मनमीत पाल सिंह, ब्लॉक नोडल अधिकारी रविंदर कौर, लेफ्टिनेंट रविंदर सिंह, अश्वनी कुमार और सभी कार्यालय कर्मचारी उपस्थित थे।

चौपला पर हो रही है अबैध बसूली

सत्यम शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच
बरेली- चौपला पर हो रही अबैध बसूली विडियो में अबैध बसूली का करना बताया गया माँ पुलिस डिपार्टमेंट के फाल्व र है और उसका वेटा करता है अबैध वसूली जब इस सम्बन्ध में एक गाड़ी बाले से बात की गई

तो उसने बताया की हम इन्हें खर्चे (गुटखा आदि)के लिए दे देते है जब की वसूली करने बाले के चहरे पर न तो कोई पुलिस का डर दिखा न ही कोई चिंता विडियो वाइरल होने के बाद आपको बताते चलें कि अभी हाल में अन्य दैनिक पेपर में भी प्रकाशित हुआ की चैपले पर अवैध वसूली चल रही है उसके बाद भी प्रशासन नहीं जागा अब देखना यह है कि पुलिस प्रशासन क्या कार्यवाही करता है ।

Team India got a big weapon for World Cup 2023, more expert than Kohli-Rohit, Bhajji's big claim

World Cup 2023 Harbhajan Singh on Shubman Gill For the last 10 years, the Indian team has failed to win the ICC trophy. The last time in 2013, Team India led by MS Dhoni won the Champions Trophy. Since then, Team India has definitely reached the semi-finals and finals of ICC tournaments, but only disappointment has come at the hands of the team. , World

Cup 2023 Harbhajan Singh on Shubman Gill For the last 10 years, the Indian team has failed to win the ICC trophy. The last time in 2013, Team India led by MS Dhoni won the Champions Trophy. Since then, Team India has definitely reached the semi-finals and finals of ICC tournaments, but only disappointment has come to the hands of the team. This year, the World Cup 2023 is to be hosted by India, which is to start from 5 October. Please tell that Rohit Brigade is considered to be a strong contender for the victory of this tournament. Team India's batsmen will have to set big targets by scoring maximum runs in the tournament. Meanwhile, former Indian off-spinner Harbhajan Singh has named the players who can prove to be Team India's biggest weapon in the World Cup 2023. ODI WC 2023: Harbhajan Singh made a big prediction about Shubman Gill- In fact, former Indian spinner Harbhajan Singh recently said that he hopes that Shubman Gill's name will definitely be in the playing-11 for the Indian team. And this time he will prove to be a big weapon for India. He said that this is because Gill has all the ability to set big scores on Indian soil. He also said that Rohit Sharma needs to play big innings in the World Cup. At the same time, Bhajji further said that Ravindra Jadeja will be such a bowler on whom India will depend a lot. Jaddu's ability cannot be doubted since the way he has performed for CSK in IPL 2023. Talking to Star Sports, Harbhajan Singh said that if I talk about India, the role of openers is going to be there in the World Cup. Everyone will have high hopes from Rohit Sharma and Shubman Gill. I hope Gill will be seen joining the playing-11. Gill will prove to be the trump card for the team for Team India.

'India and Australia fight better than IND vs PAK', why Sourav Ganguly said this

Sourav Ganguly IND vs PAK WC 2023 The excitement of ICC World Cup 2023 has started rising. ICC has also announced the schedule for this world class tournament going to be held on Indian soil. A great match is to be played between India and Pakistan on 15 October. Although Sourav Ganguly believes that India and Australia have a better match than India and Pakistan. The schedule of the ICC World Cup 2023 has been released. The great match between India and Pakistan is to be played on 15 October. Everyone is eagerly waiting for this high-octane clash. However, former India captain Sourav Ganguly believes that India and Australia have better matches than India-Pakistan. Said, "There is a lot of hype about this match, but that thrill has not been seen in this encounter for a long time. India has consistently defeated Pakistan in a one-sided manner. Pakistan probably won the T20 World Cup played in Dubai. Beat India for the first time in the cup." More power in the clash between India and Australia - According to the former BCCI president, the clash between India and Australia is more powerful. He said, "Team India did not play well in the 2021 T20 World Cup, but according to me the match between India and Australia will be better because the quality of this match is better." India to clash with Australia in the first match - In the ICC World Cup 2023, under the leadership of Rohit Sharma, Team India will start its campaign against Australia only. This vigorous match between the two teams will be played on October 8 at the M Chidambaram Cricket Stadium in Chennai. The Kangaroo team in Chepauk also has a great record in ODIs. Australia has won five of the six matches played at this ground. Pakistan to clash on October 15 – India and Pakistan will clash in the World Cup this time on October 15. This great match is to be played at the Narendra Modi Cricket Stadium in Ahmedabad. Team India has not lost any match against Pakistan in the ODI World Cup till date. India has played a total of seven matches against the neighboring country so far and has tasted victory in all seven.

Dinesh Karthik's desire, not Shikhar Dhawan, this experienced player gets the command of Team India in Asian Games 2023

Dinesh Karthik Team India Captaincy Ashwin Dinesh Karthik says that the captaincy of Team India in the Asian Games 2023 should be handed over to Ravichandran Ashwin. It is

believed that the BCCI is planning to send a B team to the Asian Games, whose captaincy can be handed over to Shikhar Dhawan. Dhawan has led the Indian team in the past as well. The BCCI is preparing to send India's men's cricket team to the Asian Games in 2023. It is believed that in view of the World Cup, the board can send B team in this tournament, which can be led by Shikhar Dhawan. However, Dinesh is not in favor of handing over the captaincy of the team to Karthik Dhawan. Karthik says that the reins of the team should be handed over to experienced off-spinner Ravichandran Ashwin in the Asian Games. Command should be handed over to Ashwin – Dinesh Karthik while talking to Sports Star said that Ashwin would be the perfect choice to lead India in the Asian Games. He said, "I sincerely wish that India sends its B team to the Asian Games as the key players will be preparing for the World Cup and if they feel that Ashwin will not be a part of the ODI setup, then they should be made the captain of the team." He deserves it too." Ashwin deserves to be the captain- Dinesh Karthik says that Ashwin has achieved many big achievements in his career and he deserves to be the captain. The wicket-keeper batsman said, "I feel that Ashwin is one of those players who have achieved many big achievements in his career and because of this he deserves to be the captain of Team India. Take the call to make Ashwin the captain." Ashwin was sitting out in the WTC Final - Significantly, Ravichandran Ashwin was not included in the playing eleven in the final match of the World Test Championship played against Australia. Captain Rohit and the team management were severely criticized for the decision of not giving Ashwin a chance in the playing eleven.

PCB took necessary steps to play in the World Cup, sought approval from the government to travel to India

Last week, the schedule of the World Cup was announced after a long delay. Pakistan has not toured India since the 2016 Men's T20 World Cup. The Pakistan Cricket Board (PCB) has written to the Pakistan government seeking official approval to travel to India for the ODI World Cup in October-November. Apart from Prime Minister Shehbaz Sharif, PCB has also sent letters to the Ministry of Interior and External Affairs. He has sought advice in the letter whether the Pakistani team should go to India or not. The PCB has also asked that if the team goes to India, is there any objection regarding the five places where it has to play matches? Does the Pakistani government want to send a security delegation to visit those places? PCB wrote in the letter dated June 26. In fact, unlike visiting any other country, visiting India requires government permission because of the strained political relations between the two countries (India-Pakistan). There is no time limit for the government to respond. PCB will not travel without the approval of the government. The PCB shared Pakistan's schedule with the government, stating that the team will play its nine league matches in five cities, including the big tie against India in Ahmedabad on October 15. Asked for permission to participate in the World Cup: PCB - In a conversation with ESPNcricinfo, the PCB told, "Immediately after the announcement of the World Cup schedule last Tuesday, we have written a letter to our patron Prime Minister Shehbaz Sharif through the Ministry of Inter-Provincial Coordination (IPC)." wrote. A letter was also sent to the Ministry of External Affairs and the Ministry of Interior. We have sought permission to participate in the World Cup." Pakistan team has not toured India since 2016 – Last week, the World Cup schedule was announced after a long delay. Pakistan has not toured India since the 2016 Men's T20 World Cup. Recently Pakistan has suffered a big setback. It has the Asia Cup to host, but only four matches will be played on its own ground. Rest of the matches will be held in Sri Lanka. This time the Asia Cup will be organized on a hybrid model, as the BCCI refused to tour Pakistan. Pakistan's Foreign Minister had recently visited India - There has been no bilateral series between India and Pakistan for the last 10 years. The two teams face each other only in ICC and ACC tournaments. Pakistan's foreign ministry had already suggested that it was evaluating the team's participation in the World Cup and would convey its views to the PCB at the appropriate time. There is no clear position on the government's stand regarding India, but recently Foreign Minister Bilawal Bhutto Zardari visited India. He was in India for the South Asian Association for Regional Cooperation summit.

'People keep wondering who I am dating', Ananya Pandey's explosive statement on dating life

Discussions of actress Ananya Pandey and Aditya Roy Kapur secretly courting each other have been happening in Bollywood for a long time. Both have also been spotted together many times, after which everyone is speculating that Aditya and Ananya are in a relationship. However, till date none of the actor or actress has reacted to these rumours, but none has denied it either. In such a situation, recently, during an interview, Ananya has said something

about her dating life, which has again brought her into the limelight. Speculations have been rife for quite some time that Ananya Panday is dating Aditya Roy Kapur. It all started when Karan Johar told on his show 'Koffee With Karan' that Ananya and Aditya were sitting in a corner at his party and talking. After this, they were seen together in many B-town parties, in which it was difficult to ignore their chemistry. Ananya Pandey, who made her debut with 'Student of the Year 2', has always remained tight-lipped about her dating life. But in this recent conversation, not only did she answer the questions related to her dating life very fun, but she also looked very cool. In this recent interview, when Ananya was asked about the dating rumors with Aditya, she thought it better to remain silent. But, Ananya Pandey said something about the curiosity of the fans, which was quite funny. The actress said, 'It is a good thing to be curious, people should keep guessing who I am dating.' However, the actress finds it right to focus more on her professional life than her dating life at this point of time. She has had a string of flops in the past, which could spell trouble for Ananya going forward. Ananya Panday's last film 'Liger' failed to make a splash at the box-office. But Ananya has no regrets about this. He admitted that it sounds trite but it is about my journey, not the destination. She believes she has learned her lesson and is not giving up. Ananya said that people working on any film know how difficult it is to make a film or a show and they give their best. Sometimes if things don't work out then one should not get disheartened. The idea is to learn from the failure and use it in the next project, she said. Talking about Ananya's work front, the actress will next be seen in 'Dream Girl 2'. Ayushmann Khurrana is in the lead role with her in 'Dream Girl 2'. Along with this, Ananya also has 'Kho Gaye Hum Kahan', in which she will be seen sharing screen space with Siddhant Chaturvedi.

Amazon Mini TV's new series announced, 'Half CA' will highlight the struggles of CA students

In this running life everyone faces some or the other problem everyday. Be it children, youth or old people... everyone has their own problems and challenges. However, what bothers people the most more than family issues are the problems in the office and what to say if you are a CA. Amazon Mini TV brings you a scintillating series 'Half CA' to delve into the ups and downs in the life of a CA. On the occasion of 75th Chartered Accountancy Day, 'Amazon Mini TV' announces a brand new series, 'Half CA'. While making the announcement, the

makers also released the first teaser of the series, which gave a glimpse of the story. The released video depicts the multifaceted daily life of students who aspire to become Chartered Accountants. 'Half CA' highlights the experiences of CA aspirants, narrated through the perspective of Archie and his friends. The series will cover various aspects of CA from preparation to finals. The story of 'Half CA' reflects the fact that why it is one of the toughest profession in the world. After all, an attempt will be made to show through the series what kind of problems and challenges the students who want to become CA have to go through. Talking about his role in 'Half CA', Ahsaas Channa said, 'I am extremely excited for the series as it shows many aspects of the educational world that no one is aware of and my character in Half CA I try to climb the ladder in the competitive world. It is an interesting story which will impress everyone preparing for CA or any other competitive exam. Each of us has been a student at some point in our lives, and this series is full of moments that will take our viewers back to those days.' Significantly, the makers have just released its teaser to announce the series. The release date of 'Half Sea' has not been revealed yet. This series will be seen only and only on 'Amazon Mini TV'. It stars Ahsaas Channa, Preet Kamani, Gyanendra Tripathi, Anmol Kajani and Rohan Joshi in pivotal roles.

Fear of Salman and love of Shah Rukh, Riddhi Dogra shares her experience of working with superstars

Actress Riddhi Dogra, who has proved her acting skills from television to OTT platform, is working on two big films. Riddhi will be next seen in the movie 'Jawaan' opposite Shah Rukh Khan and 'Tiger 3' opposite Salman Khan. Riddhi is very happy for both these upcoming projects. Also, both have been seen openly sharing their experiences of working with the superstars. Riddhi Dogra recently shared her pleasant experience of working with Shah Rukh Khan on the sets of Atlee's upcoming film 'Jawaan'. In an interview, Riddhi recalled those moments and praised the entire team unit including Atlee and Shah Rukh Khan. The actress called Shah Rukh cute and emphasized that during the six to seven-hour shoot, everything else seemed unimportant to her as she was completely engrossed in a scene she shot with SRK. Riddhi Dogra further shared During that scene, his entire focus was on Shahrukh Khan. They both remained seated during the entire scene, and Shah Rukh Khan did not even pick up his phone, showing utmost respect. Riddhi, on the other hand, tried to join the conversation and shared some light-hearted jokes. Riddhi concluded by praising his kind and friendly nature and emphasized how pleasant it was to work with him. Apart from sharing screen space with Shah Rukh Khan, Riddhi Dogra will next be seen opposite Salman Khan in 'Tiger 3', the third installment of the Tiger franchise. Keeping the details of her character under wraps, Riddhi revealed that she was a bit intimidated while working with Salman. However, Riddhi quickly discovers that Salman Khan is also a lovely and very easygoing person. Their limited conversation was outside, but due to shooting strike a conversation Riddhi managed to with him by cracking a joke. Riddhi shared that Salman Khan laughed at her joke.

Manoj-Anurag did this scandal when drunk, created a ruckus outside Gulzar's house

In a recent interview, Manoj talked about a huge fight between him and Anurag Kashyap at Gulzar's house after getting drunk. Manoj Bajpayee has spent more than three decades in the world of Hindi cinema. He has given more than one film in his career. Gangs of Wasseypur, Gulmohar, Satya, Shool are some such films which are examples of cult cinema. Manoj Bajpayee has won the hearts of people with his excellent performance in these films. In a recent interview, Manoj talked about a huge fight between him and Anurag Kashyap at Gulzar's house after getting drunk. Manoj reveals his fight with Anurag Kashyap Revealing the tussle, he said, 'We were discussing a book, then he told me that you have not read it. I said, 'What do you know about reading?' Then we started arguing. We came out fighting from inside Gulzar sahib's house. We sat on the footpath in Bandra and were blaming each other for the situation. It was time when my work for that day was about to end. It was a call from Anurag Kashyap, whom I had not spoken to for many years. We had some conflicting issues which could not be resolved, but that one call resolved all the issues in a minute. Manoj told how he got the character of Sardar Khan Revealing the story behind signing the film 'Gang of Wasseypur', Manoj said, 'Anurag called me that day and he told me that he had something to give me. He immediately sent his car after talking. I went to his office. After that he immediately read the script to me. After listening to the script, I said order a bottle of red wine for me. He ordered two bottles instead and thus I agreed to play Sardar Khan.